# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 07- शनिवार 07- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028


## संक्षिप्त समाचार

### तुंगनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद,उत्सव डोली मक्कूमठ रवाना



**देहरादून,06 नवम्बर।** उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित पंचकेदारों में तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ मंदिर के कपाट शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके साथ ही वर्ष 2026 की तुंगनाथ धाम की ग्रीष्मकालीन यात्रा का समापन हो गया। समुद्रतल से करीब 3,680 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मंदिर परिसर को कपाट बंद होने के अवसर पर फूलों से सजाया गया था। मंदिर के पुजारी वेदपाठी अभिषेक मैठाणी ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार,पूजा-अर्चना और अनुष्ठान संपन्न कराए। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की मौजूदगी से भक्तिमय माहौल रहा। कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली शीतकालीन गद्दीस्थल मक्कूमठ के लिए रवाना हो गई। डोली शुक्रवार को चोपता में रात्रि विश्राम करेगी। सात नवंबर को भनकुण्ड पहुंचेगी और आठ नवंबर को मक्कूमठ स्थित श्री मर्कटेश्वर मंदिर में विराजमान होगी। इसके बाद शीतकाल में भगवान तुंगनाथ की पूजा-अर्चना मक्कूमठ में होगी। पंचकेदारों में तृतीय केदार के रूप में पूजनीय तुंगनाथ धाम में धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,भगवान शिव की भुजाओं की पूजा की जाती है।

### सीतापुर : ट्रक की चपेट में आकर पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली पांच की दर्दनाक मौत



**सीतापुर,06 नवम्बर 2026।** जिले के पिसावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिहानी मार्ग पर कुलहाघाट के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मुंडन संस्कार से लौट रहे लोगों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबकर पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई,जबकि 17 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार,बरगांवा गांव निवासी हरिनाम के बेटे 'अभी' का मुंडन संस्कार हरदोई के पिहानी थाना क्षेत्र स्थित रायपुर गांव के एक धार्मिक स्थल पर संपन्न हुआ था। कार्यक्रम पूरा होने के बाद परिवार और रिश्तेदार ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर वापस बरगांवा गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पिहानी मार्ग पर कुलहाघाट के समीप हिम्मतनगर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी,जिससे वह अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए पिसावां तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महोली भेजा गया।

### पटना में पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड के तीन आरोपित मुठभेड़ में मारे गए,मनेर थानाध्यक्ष घायल



**पटना,06 नवम्बर 2026।** बिहार के पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड के तीन कथित आरोपित मारे गए। मुठभेड़ के दौरान मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार भी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दोनों ओर से करीब 20 मिनट तक गोलीबारी हुई, जिसमें कुल 42 राउंड गोलियां चलीं। पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय कुमार शर्मा ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे पटना एसटीएफ और जिला पुलिस को सूचना मिली थी कि मनेर के शेरपुर इलाके में कुछ अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर एसटीएफ और मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। एसएसपी के मुताबिक, पुलिस टीम को देखते ही अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। करीब 20 मिनट तक चली मुठभेड़ में पुलिस की ओर से 18 और अपराधियों की ओर से 24 राउंड गोलियां चलाई गईं।

# एसआईआर : वोटर लिस्ट से नाम कटने वालों को राहत...मिलेगा दोबारा फॉर्म भरने का मौका

## दिल्ली,महाराष्ट्र समेत 7 राज्यों के वोटर फिर नाम जुड़वा सकेंगे

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो पाए हैं,उन्हें चुनाव आयोग ने एक और मौका देने का फैसला किया है। यह राहत उन लोगों को मिलेगी, जिन्हें गणना फॉर्म जारी किए गए थे,लेकिन अनुपस्थित,दूसरी जगह शिफ्ट होने,मृत या डुप्लीकेट दर्ज किए जाने के कारण उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं आ सके। आयोग ने ऐसे मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए नई व्यवस्था तय की है।

चुनाव आयोग ने 6 नवंबर 2026 को इस संबंध में दिल्ली,महाराष्ट्र, हरियाणा,आंध्र प्रदेश,झारखंड,तेलंगाना और नगालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए। आयोग ने कहा है कि ऐसे सभी मतदाताओं को अपना नाम जुड़वाने के लिए एक और अवसर दिया जाए। इसके लिए बूथवार सूची तैयार होगी और संबंधित मतदान केंद्रों के साथ पंचायत भवनों,शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों और ब्लॉक विकास अधिकारियों के कार्यालयों में भी प्रदर्शित की जाएगी। इन सूचियों को आयोग की वेबसाइट पर भी पीडीएफ के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। नाम शामिल नहीं होने की संभावित वजह भी बताई जाएगी।



### मतदाताओं को दोबारा फॉर्म भरने का मौका

जिन मतदाताओं के नाम एसडीडी श्रेणी में दर्ज हैं, उन्हें गणना फॉर्म दोबारा जमा करने का अवसर मिलेगा। जिन लोगों के फॉर्म अधूरे हैं,उनके लिए भी नई व्यवस्था की गई है। संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के डैशबोर्ड पर ऐसे फॉर्म दोबारा तैयार किए जाएंगे। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं तक फॉर्म पहुंचाने के लिए घर-घर जाएंगे और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों की भी मदद लेंगे। जहां संपर्क की जानकारी उपलब्ध होगी,वहां व्हाट्सऐप,ईमेल और एसएमएस के जरिये भी फॉर्म भेजे जा सकेंगे। मतदाता अपने पुराने ईपीआईसी नंबर से वेबसाइट पर फॉर्म डाउनलोड करके भर सकते हैं।

### अगर मतदाता का पता नहीं बदला है तो क्या करना होगा?

आयोग ने उन मतदाताओं के लिए अलग प्रक्रिया तय की है,जो अपने पुराने पते पर ही रह रहे हैं। ऐसे लोगों को भरा हुआ और हस्ताक्षर किया गया गणना फॉर्म जमा करना होगा। इसके साथ उन्हें यह बताना होगा कि पहले फॉर्म क्यों जमा नहीं हो पाया था। इसके लिए आयोग ने अनुलग्नक-बी का प्रारूप दिया है। मतदाता इसे संबंधित ईआरओ, सहायक ईआरओ या बीएलओ को खुद या परिवार के किसी सदस्य के जरिये सौंप सकते हैं।

### जमा किए गए फॉर्म पर चुनाव आयोग ने क्या निर्देश दिए?

आयोग ने कहा है कि मिले हुए सभी फॉर्म और उनके साथ दिए गए घोषणापत्रों की जांच नियमों के अनुसार की जाए। पंजीकरण अधिकारी पात्रता, सामान्य निवास और जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। जिन फॉर्म को स्वीकार किया जाएगा,उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए अलग रखा जाएगा। इस प्रक्रिया में मतदाता का वही पुराना ईपीआईसी नंबर बना रहेगा। जिन लोगों ने एसआईआर के दौरान नए नामांकन के लिए पहले ही फॉर्म-6 जमा किया है,उन्हें दोबारा गणना फॉर्म भरने की जरूरत नहीं होगी।

# कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में लगी आग...पटियाला में चलती ट्रेन में मची अफरा-तफरी,सभी यात्री सुरक्षित



**राजपुरा,06 नवम्बर 2026।** अमृतसर की ओर आ रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल कोचों में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के डिब्बों से धुएं का गुबार और आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। अपनी जान बचाने के लिए यात्री चलती ट्रेन से नीचे उतरने लगे। घटना राजपुरा के पास हुई। रेलवे कर्मचारियों, पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी यात्री के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक,ट्रेन नंबर 12508 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी कर्मभूमि एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर 12:58 बजे फतेहगढ़ साहिब जिले के साधुगढ़ रेलवे स्टेशन से रवाना हुई थी। इसके कुछ ही समय बाद राजपुरा के नजदीक ट्रेन के जनरल कोचों में आग लग गई। आग की चपेट में चार जनरल कोच आ गए। बताया गया कि इंजन से पांचवें नंबर पर स्थित कोच नंबर 265287जीसी में आग भड़की और देखते ही देखते धुआं और लपटें आसपास के डिब्बों तक फैल गईं। इससे ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच दहशत फैल गई।

### धुआं भरते ही जान बचाने के लिए बाहर निकले यात्री

ट्रेन के कोचों में आग और धुआं फैलने के बाद यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। डिब्बों के अंदर धुआं भरने लगा तो लोग अपना सामान छोड़कर बाहर निकलने लगे। कई यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से नीचे उतर गए। अचानक हुई इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

# केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल लॉन्च किया

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल शुक्रवार को लॉन्च किया गया और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग योजना के तहत स्वीकृत 12 आवेदकों की सूची जारी की गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विस्तार को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि देश तैयार उत्पादों से मॉड्यूल, कंपोनेंट्स और फिर कच्चे माल के निर्माण तक चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल के संबंध में वैष्णव ने कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के दूसरे,तीसरे और चौथे स्तंभ के तहत आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी। यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमी कंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने बताया कि आज की मंजूरियों के बाद देशभर में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट निर्माण से जुड़ी कुल 118 इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें से कई इकाइयां घरेलू मांग पूरी करने के साथ निर्यात को भी बढ़ावा देने में सक्षम होंगी। उन्होंने कहा कि भारत में मोबाइल फोन निर्माण की शुरुआत को कभी विपक्ष ने'पेंच-ड्राइवर तकनीक'कहकर खारिज किया था। लेकिन अब



देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए जरूरी घटकों के साथ उनके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और मशीनों का भी उत्पादन हो रहा है। वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग वर्तमान में करीब 25 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। बैटरी सेल,एनोड और कैथोड सामग्री जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए पहले भारत काफी हद तक एक विदेशी देश पर निर्भर था। अब इनके घरेलू उत्पादन से आयात पर निर्भरता कम हो रही है। एनोड-कैथोड सामग्री, कॉपर फॉइल,लचीले और 20-परत वाले पीसीबी,ऑप्टिकल ट्रांससीवर, रिले और कैपेसिटर जैसे उत्पादों का निर्माण भी भारत में हो रहा है। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय सचिव एस.कृष्णन ने बताया कि सेमीकॉन इंडिया 2.0 के तहत सेमीकंडक्टर उपकरण और सामग्री सहित तीन प्रमुख क्षेत्रों में आवेदन आमंत्रित करने के लिए वेब पोर्टल लॉन्च किया गया है।

# सीबीएसई : 10वीं-12वीं बोर्ड की डेटशीट जारी,16 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की डेटशीट जारी कर दी है। बोर्ड ने 6 नवंबर 2026 को अपनी आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in और cbseacademic.nic.in पर परीक्षा का शेड्यूल जारी किया। इसके अनुसार, दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। ऐसे में छात्रों को अपनी परीक्षा की तारीख और विषय के अनुसार तैयारी करने का समय मिल गया है। छात्र बोर्ड की वेबसाइट पर जाकर अपनी कक्षा की पूरी डेटशीट देख सकते हैं। इसमें हर विषय की परीक्षा की तारीख और समय दिया गया है।

### 10वीं की परीक्षाएं कब तक चलेंगी?

सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक चलेंगी। इस बार 10वीं के छात्रों को कुल 83 विषयों की परीक्षा देनी होगी। बोर्ड ने सभी विषयों के लिए अलग-अलग तारीखें तय की हैं। छात्र अपनी डेटशीट देखकर यह जान सकते हैं कि किस दिन किस विषय का पेपर होगा। इससे उन्हें पढ़ाई का समय बांटने और परीक्षा की तैयारी




करने में मदद मिलेगी। छात्रों को सलाह है कि वे अपनी परीक्षा की तारीखें ध्यान से देख लें,ताकि किसी भी पेपर को लेकर कोई उलझन न रहे।

### परीक्षा कितने बजे से शुरू होगी?

सीबीएसई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे शुरू होंगी। छात्रों को परीक्षा के दिन समय का खास ध्यान रखना होगा। उन्हें अपने एडमिट कार्ड पर दिए गए निर्देशों को भी ध्यान से पढ़ना चाहिए। परीक्षा केंद्र पर कब पहुंचना है और किन चीजों को साथ ले जाने की अनुमति है,इसकी जानकारी एडमिट कार्ड में दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा से पहले अपने विषय, तारीख और परीक्षा केंद्र की जानकारी अच्छी तरह जांच लेनी चाहिए। इससे परीक्षा वाले दिन किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

### 12वीं के पेपर कब होंगे खत्म?

सीबीएसई कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं भी 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। हालांकि, इनका शेड्यूल 10वीं से ज्यादा लंबा है। 12वीं के आखिरी पेपर 9 अप्रैल 2027 तक होंगे। इस कक्षा के छात्रों को कुल 121 विषयों की परीक्षा देनी होगी। इसमें अलग-अलग विषयों के लिए अलग तारीखें तय की गई हैं। इसलिए छात्रों को अपनी स्ट्रीम और चुने गए विषयों के अनुसार डेटशीट देखनी चाहिए। परीक्षा की तारीख पहले से पता होने पर छात्र हर विषय की तैयारी के लिए समय तय कर सकते हैं और आखिरी समय की जल्दबाजी से बच सकते हैं।

# दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू,कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में गिरावट के मद्देनजर सख्त कदम उठाते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू कर दी हैं। इसके तहत प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्माण कार्यों, वाहनों और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर आयोग ने यह फैसला लिया है। ग्रैप-3 लागू होने के साथ ही संबंधित एजेंसियों को प्रदूषण नियंत्रण के उपाय सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382



तक पहुंच गया। कई क्षेत्रों में एक्यूआई का स्तर 400 के पार चला गया। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए शुक्रवार शाम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उपसमिति ने आपात बैठक बुलाकर स्तिथि की समीक्षा की और ग्रैप 3 की पांबदियों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया। ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध में निर्माण एवं तोड़फोड़ (सीएंडडी) से जुड़ी गतिविधियों पर प्रतिबंध,गैर-आवश्यक निर्माण कार्यों पर रोक,निर्धारित क्षेत्रों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के संचालन पर पाबंदी,कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ाई का विकल्प,प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक और अन्य गतिविधियों पर सख्त निगरानी शामिल है। इसके साथ धूल नियंत्रण और प्रदूषण कम करने के उपायों का संबंधित एजेंसियों द्वारा कड़ाई से पालन के साथ पहले और दूसरे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंध भी प्रभावी रहेंगे।

## दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट बोला...

# कोई पाबंदी काम नहीं करेगी....कहा...हम जितने ज्यादा आदेश देंगे,नियमों का उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए वह जितने ज्यादा आदेश और पाबंदियां लगाएगा, उनका उल्लंघन उतना ही बढ़ेगा। कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ सख्त नियम बनाने से प्रदूषण की समस्या हल हो सकती है? बेंच ने प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने और उनके व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत बताई। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने की। कोर्ट दिवाली की छुट्टियों के बाद 16 नवंबर को मामले की अगली सुनवाई करेगा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने की एक बड़ी वजह गाड़ियों से निकलने वाला धुआं है। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए तुरंत, मध्यम अवधि और लंबे समय के उपाय करने की जरूरत है। दिल्ली की सड़कों और एनसीआर को जोड़ने वाले रास्तों को देखिए। किसी भी सड़क पर चलने वाले गाड़ियो की संख्या और उनके प्रकार पर नजर डालिए। यही सबसे बड़ी समस्या है। किसानों को खेतों में आग लगाने के बजाय मशीनों का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक करना चाहिए।



# राहुल गांधी की वोट बचाओ यात्रा घुसपैठिया बचाओ यात्रा : अमित शाह

## उत्तराखंड में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का लक्ष्य,शाह बोले-2027 में 65 पार...

**देहरादून,06 नवम्बर 2026।** उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित राज्योत्सव समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोट बचाओ यात्रा' को 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' करार दिया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए घुसपैठियों को बाहर करने का काम किया जा रहा है, जबकि राहुल गांधी यात्रा निकालकर इसका विरोध कर रहे हैं। देश में घुसपैठ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शाह ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने,शुक्रवार की नमाज के लिए छुट्टी का प्रस्ताव लाने और राम मंदिर निर्माण का विरोध



करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए 65 पार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि पार्टी उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसने उत्तराखंड राज्य के गठन को रोकने का काम किया, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नौ नवंबर,2000 को अलग राज्य बनाकर वर्षों पुराने सपने को साकार किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड बनाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे संवारने का काम किया है। उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। बाबा केदारनाथ, बदरी विशाल, मां गंगा और यमुना के उद्गम स्थल, हेमकुंड साहिब और हरिद्वार जैसे पवित्र तीर्थ इस देवभूमि को विशिष्ट पहचान देते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश मोक्ष की कामना लेकर देवभूमि की ओर आता है और वह इस पवित्र भूमि को बार-बार प्रणाम करते हैं। गृह मंत्री ने राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान रामपुर तिराहा सहित विभिन्न स्थानों पर संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों के साथ ही माधो सिंह भंडारी, तीलू रौतेली,गबर सिंह नेगी,दरबान सिंह नेगी और जनरल बिपिन रावत सहित अनेक विभूतियों को याद कर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। शाह ने राज्योत्सव को गौरव, सिद्धि और संकल्प का अवसर बताते हुए कहा कि उत्तराखंड की देवभूमि और राज्य निर्माण का गौरव सभी को महसूस करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में विकास की दिशा में हासिल उपलब्धियां सिद्धि हैं। अब संकल्प है कि वर्ष 2045 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में उत्तराखंड देश का सबसे पहले विकसित होने वाला राज्य बने। गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक उत्तराखंड के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 50 प्रतिशत वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति आय में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के साथ आम नागरिक की समृद्धि भी सरकार का लक्ष्य है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता यूसीसी को लागू किया। उन्होंने कहा कि राज्य में लागू यूसीसी के माध्यम से विवाह और तलाक से जुड़े मामलों में समान कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड के उदाहरण के बाद देश के 15 राज्य यूसीसी लागू करने की दिशा में आगे बढ़े हैं और भाजपा सभी राज्यों में इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## संपादकीय

# खीझ निकालती कांग्रेस

कांग्रेस ने सहयोगी दलों के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान की अपनी वोट बचाओ-देश बचाओ रैली में दावे और साथ ही अपेक्षा से कहीं कम भीड़ जुटने के कारण जिस तरह कई राज्यों के दो सौ से अधिक पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया,उससे उसकी हताशा और खीझ का ही पता चलता है। अधिकतर निलंबित पदाधिकारी युवक कांग्रेस के हैं। इनमें प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष, महासचिव और सचिव स्तर के नेता हैं। इन पर गाज इसलिए गिरी, क्योंकि वे दिल्ली आए ही नहीं। कांग्रेस के युवा नेताओं की रामलीला मैदान में अनुपस्थिति केवल यही बयान नहीं कर रही कि उन्हें पार्टी नेतृत्व और विशेषकर राहुल गांधी के इस नैरेटिव में कोई दम नहीं दिखा कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण की प्रक्रिया यानी एसआइआर के जरिये वोट चोरी की जा रही है। उनकी दिल्ली में गैरहाजिरी यह भी बता रही है कि कांग्रेस का युवा संगठन शिथिल और उत्साहहीन है। संभव है कि इसका कारण राहुल गांधी की ओर से एसआइआर को वोट चोरी करार देकर उसे अनावश्यक तूल देना हो। यह पहली बार नहीं,जब राहुल ने ऐसा मुद्दा उठाया हो,जो आम जनता का ध्यान नहीं खींच सका। इसके पहले उन्होंने राफेल सौदे को लेकर चौकीदार चोर है का नारा गढ़ा,लेकिन नाकाम रहे। ईवीएम के खिलाफ मोर्चा खोलने से भी उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। उनके इस आरोप ने भी जनता के बीच कोई असर नहीं दिखाया कि मोदी सरकार केवल चंद उद्यमियों के लिए ही काम कर रही है।

राहुल गांधी और उनके साथी यह समझने को तैयार नहीं कि किसी तत्वहीन मुद्दे को तूल देने और अशालीन भाषा इस्तेमाल करने से वह प्रभावी मुद्दा नहीं बन जाता। जब कोई मुद्दा जनता का ध्यान आकृष्ट नहीं कर पाता तो उसे लेकर पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं को लोगों को अपने साथ जोड़ना कठिन हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के साथ यही हो रहा है। समस्या यह है कि अपनी गलतियों से सबक सीखने के स्थान पर कांग्रेस अतिवादी किस्म के वामपंथियों और ऐसे लोगों को साथ लेना पसंद कर रही है, जो अराजकता की राजनीति करने के लिए जाने जाते हैं। अभी हाल तक काकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाने वाली कांग्रेस ने दिल्ली की अपनी रैली के लिए उसे भी अपने साथ लेना जरूरी समझा। यह वह समूह है,जिस पर विदेशी संगठनों के प्रभाव में काम करने के आरोप लगे हैं।

शायद इसी कारण प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष भारत विरोधी ताकतों के साथ मिलकर देश तोड़ने की साजिश रच रहा है। गत दिवस केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी कहा कि सीजेपी नेताओं को बाहरी देशों से वित्तीय मदद मिल रही है। यदि ऐसा कुछ है तो केवल आरोपों से बात नहीं बनेगी। सरकार को अपने आरोपों के पक्ष में तथ्य सामने रखने होंगे।

# दीपावली : दीप जले,मन उजले



प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना





हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट,मध्यप्रदेश

भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं,बल्कि वे जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक चेतना,सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत के संवाहक भी हैं। इन्हीं पर्वों में दीपावली का विशेष स्थान है। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपोत्सव भारत के सबसे बड़े और महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पर्व आध्यात्मिक रूप से अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। दीपावली का मूल संदेश है तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् हे प्रभु! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलिए। उपनिषदों में निहित यह प्रार्थना भारतीय जीवन-दर्शन की उस शाश्वत भावना को अभिव्यक्त करती है। जो मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, निराशा से आशा और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर प्रेरित करती है।

दीपावली का धार्मिक और सामाजिक महत्त्व भारतीय जनमानस में गहराई से रचा-बसा है। यह पर्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि सिख, जैन और बौद्ध परंपराओं में भी विभिन्न रूपों में इसका महत्त्व स्वीकार किया गया है। जैन धर्मावलंबी इसे भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। वहीं सिख समुदाय के लिए यह पर्व बंदी छोड़ दिवस के रूप में विशेष महत्त्व रखता है। इस प्रकार दीपावली भारतीय उपमहाद्वीप की विविध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने वाला उत्सव भी है। दीपावली मनाने के पीछे अनेक पौराणिक और धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय मान्यता भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन से जुड़ी है। मान्यता है कि चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण करने और रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद जब भगवान श्रीराम,माता सीता और लक्ष्मण अयोध्या लौटे। तब उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाकर पूरी नगरी को प्रकाश से आलोकित कर दिया। कार्तिक अमावस्या की सघन अंधकारमय रात्रि असंख्य दीपों की रोशनी से जगमगा उठी। तभी से दीपावली को श्रीराम के स्वागत और धर्म की विजय के प्रतीक पर्व के रूप में मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

एक अन्य पौराणिक मान्यता भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध से संबंधित है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की सहायता से अत्याचारी असुर राजा नरकासुर का अंत किया था। नरकासुर के आतंक और अत्याचार से मुक्ति मिलने की खुशी में लोगों ने दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त की। इसी घटना की स्मृति में नरक चतुर्दशी और दीपोत्सव मनाने की परंपरा भी जुड़ी हुई है। इसके अतिरिक्त कुछ मान्यताओं में पांडवों के वनवास और उनके पुनः लौटने की खुशी को भी दीपोत्सव की परंपरा से जोड़ा जाता है। दीपावली का संबंध धन,वैभव और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी मां लक्ष्मी से भी है। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण दीपावली की अमावस्या को घर-घर में दीप प्रज्वलित कर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है।

भारतीय जनमानस में यह विश्वास है कि स्वच्छता,पवित्रता,सद्भाव और सकारात्मक विचारों से परिपूर्ण वातावरण में सुख-समृद्धि का वास होता है। कुछ परंपराओं में मां काली की आराधना का भी विशेष विधान है। विशेषकर पूर्वी भारत में दीपावली की रात्रि को काली पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न की जाती है। इस प्रकार एक ही पर्व विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं और उपासना पद्धतियों के साथ मनाया जाता है। वस्तुतः दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल घरों,प्रतिष्ठानों और बाजारों को रोशनी से सजाना नहीं है,बल्कि अपने अंतर्मन के अंधकार को दूर करना भी है। दीप जले,मन उजले तो आए नया सवेरा। ऐसे यह पर्व हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है कि हमारे भीतर व्याप्त अहंकार, ईर्ष्या,द्वेष,लोभ और नकारात्मकता जैसे विकार किस प्रकार दूर हों। दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। उसका यह गुण हमें परोपकार,त्याग,सहयोग और सेवा की प्रेरणा देता है।

# दीपचण्डिका का जगमगाता उजियाला पूंजीपतियों- सरगनाओं का है बंदी !

**आज दीपोत्सव पर श्रीवैभव लक्ष्मी के मंत्र-या रक्ताम्बुजवासिनी विलासिनी चण्डांशु तेजस्विनी। या रक्ता रुधिराम्बरा हरिसखी या श्री मनोल्हादिनी॥ या रत्नाकरमन्थनात्प्रगटिता विष्णोस्वया गेहिनी। सा मां पातु मनोरमा भगवती लक्ष्मीश्च पद्मावती ॥ या रक्ताम्बुजवासिनी विलासिनी चण्डांशु तेजस्विनी**

के पठन उपरांत माँ की महिमा का वर्णन और दीपपर्व मानते हुए घर-घर माँ लक्ष्मी के आगमन की प्रतीक्षा के बीच की धनधान्यसुतान्वित अर्थात



आत्माराम यादव
नर्मदापुरम,मध्यपदेश

धन,धान्य एवं पुत्र से सम्पन्न होने की मांगलिक कामना करता है। दीपपर्व की स्वामिनी दीप चण्डिका शक्तिपुन्ज स्वरूप होते हुए अपनी ज्योति किरणों से रक्ताम्बुजवासिनी अर्थात लाल कमल पर निवास करते हुए आकर्षक और सुंदर सूर्य के समान तेजस्विनी लाल वस्त्रों में भगवान विष्णु की प्रिय सखी होते हुए मन का हरण करती है और हम सभी भक्त समुद्र मंथन से प्रगटी माँ लक्ष्मी से प्रार्थना में लीन हो जाते है। रक्ताम्बुजवासिनी माँ क्या अनभिज्ञ या अंजान होती है जो यह भी नही समझती की मिट्टी के दीपक का परिहास करने वाली विशाल महलनुमा भवनों-अट्टालिकाओं में भी ब्राह्य आकर्षक है,उजास है उनके भीतर कितना भीषण विकर्षण,अपराध और अनाचार का घनघोर अंधकार है,वे तथाकथित लक्ष्मीपुत्र सामाजिक व्यवस्था और मानवीय आदर्शो को जलाकर ही तो अपना आवास इस अंधेरी रात में जाज्वल्यमान कर रहे है,पुलकित हो रहे हैं,पर उनके मन में वह शंका अवश्य है कि सत्य और स्वत्व के अस्त्र से उनके मानवीय दुष्कर्मो को ध्वस्त करने के लिये कोई मर्यादा पुरूषोत्तम कहीं क्रांति का शंखनाद न फूंक दें? माँ शक्तिपुंज होते हुए भारत के करोड़ों दलित, शोषित,सर्वहारा वर्ग के निरीह,निरक्षक,गरीब और शोषित जनता के मन मंदिर की एक खण्डित प्रतिमा क्यों बनी हुई है जो भग्न भारत के स्वरूप को तो प्रगट कर विश्व के मानचित्र पर दृश्यमान करती है किन्तु राजनेताओं, दलों और सरकार के झूठे वायदों के तिलिश्म से मुक्त नहीं करा पा रही है और उल्लुओं का उल्लू बनाकर छो दिया है,अगर लक्ष्मी माँ इन्हें अपना ही उल्लू बना ले तो ये आपकी कृपा से अपने जीवन की नौका का पार लगा सभी प्रकार के नैसर्गिक सुख,साधन और सम्पदा से भरपूर हो सकेंगे।



हे दीपरुपी चण्डिके,आप देख रही है कि आजादी के 78 साल बाद भी भारत की अधिंकाश आबादी आज भी दो जून भरपेट भोजन की जुगाड़ नहीं कर पाती। मिलावट,घुंसखोरी बेरोजगार और अभूतपूर्व मॅहगाई ने महामारी का रूप ले लिया है। जनकल्याण के लिये अपना सर्वस्य न्यौछावर करने वाले ऋषिमुनियों के इस देश में पुनःकंस,रावण हिरनाक्ष्य और हिरण्यकश्यप जैसी दानवी शक्तियां जनजीवन को चुनौतियां दे रही है,जनता को जीने के लाले पड़े हैं और देश अनेक विषमताओं के जाल में फॅसकर विश्व में अपनी अहमियत खोता जा रहा है, किन्तु स्वार्थपरक राजसत्ता ढोल बजाकर धर्मराज युधिष्ठर की भांति अश्वस्थामा मारा गया का अर्धसत्य नाद कर शोषणरत है।

माते आप चण्डांशु तेजस्विनीः अर्थात सूर्य के समान तेजस्विनी हो तथा स्वर्ग के प्राकृतिक नैसर्गिक तत्वों की अपार संपदा की स्वामिनी होते हुए स्वर्ग को अपनी ज्योति किरणों की अक्षुण्य स्वर्णिम आभा से देदीप्यमान रखती हो वहीँ कार्तिक अमावस्या को जब यह धरती गहन अंधकार के आवरण से ढकी हुई होती है तब तुम जागरण की ज्योति किरणों का पस्फुरण माटी के दीपों से होने पर जन-जन द्वारा प्रज्वलित किये गए दीपदान से अवतरित होकर धरती के अन्धकार को निगलने के लिए चंडी बन सभी को स्वर्गिक आनन्द से भर देती हो। माँ आप ज्योतिस्वरूप हो इस पृथ्वी पर अंधकार के नाश के लिए अवतीर्ण होती हो और ज्योति पर्व के दीपों से गहन रात्रि के अंधकार का भेदन कर धरावासियों के दुर्भाग्य को सोभाग्य में परिवर्तित करती हो,इस तरह आप दीपावली की कालिमाभरी रात्री को स्वर्गिक बनाकर अपनी अहेतुक कृपाकरती हो। जिस प्रकार दीप चंडिका, चंडिका के रूप में अंधकार का दर्प चूर-चूर कर धरा के गहन अंधकार का भक्षण करके अपनी ज्योति किरणों की उजास को नभ तक विस्तीर्ण करती हो तब धरा के गरीब से गरीब व्यक्ति दीप ज्योति का प्रकाश कर नभ के उजाले को उज्ज्वल ज्योति किरण बनाने झूम उठता है और आतिशबाजी-से आपका अभिनन्दन करता है!

भारत ही नही अपितु दुनिया के हर मानवीय हृदय में ज्योतिपर्व का उल्लास आनंद मनाते हुए यह भाव जागते है की हे ज्योति किरण ! जिस तरह आप अँधेरे का सीना चीरकर आलोक की आलोकिक किरण से आल्हाद जगाती हो वैसे ही इस धरती पर अनाचार, अत्याचार, स्वार्थ, लोभ-लालच और द्वेष को अपने पवित्र पैरों से कुचलकर नूतन वैचारिक समझ और सोच की प्रज्ञा का मार्ग प्रशस्त कर कलियुग में सतयुग का आगाज कर समय की परिधि की हरेक ललकार को सहज ही प्रतिउत्तर दे सकती हो,जगत ही नही जगती भी जानता है की आपकी किरणों को निष्क्रियता, विवशता, असफलता और प्रमाद छू भी नहीं पाते है. इसलिए आप हम सभी के लिए वरदायिनी शक्ति हो और अनादिकाल से इस धरा के लोगों की मनोवांछित वरदानी होने पर सबका कल्याण करती आ रही हो!

जगत पर अपनी करुणा और कृपा लुटाने वाली हे वरदानी देवी ! आप सुख और समृद्धि की प्रतीक हो,किन्तु सुख और समृद्धि का जो अपार भंडार आप हमारे लिये लाती हो वह अभानिशा के अंधकार का लाभ उठाकर वे लुटेरे लूट लेते हैं जो इस धरती की संस्कृति के और मानवता के निर्मम शोषण को अपना धर्म मानते है। वे आपको छलते है, आपके साधक आराधकों की मिट्टी का छोटा सा दीप प्रज्वल्वित करने लायक भी नहीं रहने देते, भला बिना स्नेह तेल के दीप कैसे जल सकता है! आज तो तेल भी मणि मुक्ताओं की तरह अलभ्य हो गया है, इसकी जीवन दायिनी क्षमता, जीवन विनाशनी हो गयी है। देवी आज परिस्थितिया अत्यन्त विषम है किन्तु हमारी साधना के प्रतीक उस दीप क्षीणतम प्रकाश,नभचुंबी उतुंग आलिशान भवनों-अट्टालिकाओं की मंजिल-दर-मंजिल जगमगाती प्रकाश प्रभा में न जाने कैसे विलीन हो गया है, पूंजीपतियों काले कारनामों के सरगनाओं की अट्टालिकाओं और उनमें जगमगाते आलोक ने आपको बंदिनी बना लिया है। अस्तु, हे देवि! आज इस आलोक पर्व के दिन सर्वत्र व्याप्त अंधकार छाती चीरकर ऐसी आलोकिक रश्मियां बिखेर दे जिससे सारी दुनिया को नया प्रकाश,नयी प्रेरणा और नयी शक्ति मिल सके।

# दीपावली बने विकसित एवं समृद्ध भारत की नई ज्योति

दीपावली केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व नहीं है, यह मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना को जगाने,जीवन की दिशाहीनता को दिशा



ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

देने और सभ्यता के वर्तमान पड़ाव पर अपने मूल्यों का पुन मूल्यांकन करने का अवसर है। आज भारत विकसित भारत,समृद्ध भारत,समर्थ भारत और आत्मनिर्भर भारत की संकल्प यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक शक्ति,तकनीकी सामथ्य, सांस्कृतिक विरासत और आध्या त्मिक दृष्टि को नए विश्वास के साथ देख रही है। ऐसे समय में दीपावली का दीपक केवल घर की चौखट पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के आकाश में भी जलना चाहिए। हमारे सामने एक बड़ा प्रश्न है-जब दीपों की संख्या बढ़ रही है, तब मनुष्य के भीतर का प्रकाश क्यों मंद पड़ रहा है? घर जगमगा रहे हैं,बाजार रोशन हैं,महानगरों की इमारतें विद्युत-दीपों से नहा रही हैं,तकनीक जीवन को सुविधाओं से भर रही है,फिर भी मनुष्य के भीतर तनाव,असुरक्षा,हिंसा,स्वार्थ, असहिष्णुता और मोह का अंधकार क्यों गहराता जा रहा है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने दीपक तो बहुत जला लिए,लेकिन अपने भीतर बाती लगाना भूल गए?

आतंकवाद,हिंसा,युद्ध,घृणा और वैमनस्य की जड़ें किसी मशीन या हथियार में नहीं,मनुष्य की विकृत चेतना में होती हैं। इसलिए आतंकवाद की समस्या का स्थायी समाधान केवल सुरक्षा-व्यवस्था से नहीं होगा। मनुष्य को अनावश्यक हिंसा छोड़ने का संकल्प करना होगा। जब तक मनुष्य के भीतर प्रतिशोध की आग जलती रहेगी, तब तक संसार में शांति का दीपक पूरी तरह प्रज्वलित नहीं हो सकता। अहिंसा केवल जैन दर्शन का सिद्धांत नहीं,बल्कि भविष्य की मानव सभ्यता की आवश्यकता है। एक सुंदर आध्यात्मिक दृष्टांत है। अंधकार ने ब्रह्मा से शिकायत की कि सूर्य उसका पीछा करता है और उसे मिटा देना चाहता है। सूर्य ने कहा...मैं तो अंधकार को जानता तक नहीं,मिटाने की बात तो दूर है, पहले उसे मेरे सामने उपस्थित करो। जब अंधकार को सूर्य के सामने आने के लिए कहा गया तो उसने उत्तर दिया-मैं उसके पास कैसे आऊं? उसके सामने आते ही मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यही सत्य धर्म और अज्ञान के संबंध का है। जहां ज्ञान का सूर्य उदित हो जाता है,वहां अज्ञान का अंधकार टिक नहीं सकता। जहां करुणा का दीप जलता है,वहां हिंसा की कालिमा ठहर नहीं सकती। जहां आत्मसंयम की ज्योति प्रज्वलित होती है, वहां मोह और मूर्च्छा का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहने लगता है। इसीलिए दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल घर की सफाई में नहीं,अंतःकरण की सफाई में है। हम महीनों से घर के कोने-कोने की धूल हटाते हैं,पुराने सामान को व्यवस्थित करते हैं,दीवारों को सजाते हैं और घर को नया रूप देते हैं। लेकिन क्या कभी हमने



अपने मन के कोनों में जमी ईर्ष्या की धूल झाड़ी? क्या क्रोध की कालिख साफ की? क्या अहंकार के जाले हटाए? क्या लोभ और मोह के पुराने सामान को बाहर निकाला? यदि इस दीपावली हम अपने भीतर की ऐसी सफाई कर पाए, तो यही पर्व हमारे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव बन जाएगा।

महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने अंतर्दर्शन को आत्मप्रकाश का मार्ग बताया। उनका संकेत स्पष्ट था कि बाहर की दुनिया को देखने की हमारी आदत बहुत गहरी है,जबकि भीतर झांकने की साधना बहुत कमजोर। आज मनुष्य के पास दुनिया देखने के लिए असंख्य माध्यम हैं, लेकिन स्वयं को देखने का समय नहीं। मोबाइल की स्क्रीन चमक रही है, लेकिन मन की स्क्रीन धुंधली होती जा रही है। सूचना का भंडार बढ़ रहा है,पर आत्मबोध का दीप क्षीण हो रहा है। यही आज की सबसे बे ी विडंबना है-हम चाँद पर पहुँचने की तैयारी कर रहे हैं,लेकिन अपने भीतर के अंधेरे कोनों तक पहुँचने में संकोच कर रहे हैं।

नया भारत केवल ऊँची इमारतों,तेज गति की अर्थ व्यवस्था,अत्या धुनिक तकनीक और विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे से नहीं बनेगा। विकसित भारत की असली पहचान उसके नागरिकों की विकसित चेतना से होगी। समृद्धि तभी सार्थक है जब संवेदना जीवित रहे,शक्ति तभी मंगलकारी है जब उसमें संयम हो, विज्ञान तभी कल्याणकारी है जब उसके साथ विवेक हो और विकास तभी पूर्ण है जब उसके केंद्र में मनुष्य तथा प्रकृति दोनों के प्रति करुणा हो। भारत की सनातन संस्कृति ने सदियों पहले जीवन का यही सूत्र दिया था-तमसो मा ज्योतिर्गमय। अंधकार से प्रकाश की ओर,अज्ञान से ज्ञान की ओर, असंयम से संयम की ओर और स्वार्थ से परमार्थ की ओर बे ना ही भारतीय संस्कृति की जीवनधारा है। आज जब भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उसकी सबसे बड़ी पूँजी केवल अर्थव्यवस्था या तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि उसकी सनातन जीवनदृष्टि है। दीपावली इस सनातन संस्कृति को नया आकाश देने का पर्व बन सकती है। हमें दुनिया को केवल यह नहीं बताना कि भारत आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है, हमें यह भी दिखाना है कि भारत मानवीय मूल्यों के साथ विकास करना जानता है। ऐसा विकास,जिसमें प्रकृति के लिए स्थान हो,वंचित के लिए संवेदना हो, वृद्ध के लिए सम्मान हो,युवा के लिए अवसर हो,नारी के लिए गरिमा हो और प्रत्येक मनुष्य के लिए सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन हो। आज आवश्यकता है कि दीपावली के दीपक को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बनाया जाए। एक दीप आत्मसंयम का,एक अहिंसा का, एक पर्यावरण-संरक्षण का,एक सामाजिक समरसता का, एक नारी-सम्मान का,एक ईमानदारी का और एक राष्ट्रनिष्ठा का। जब करोड़ों घरों के करोड़ों दीप इन मूल्यों के साथ जलेंगे,तब भारत की रोशनी केवल घरों और बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी, वह विश्वमानवता का पथ आलोकित करेगी।

दीपक की एक विशेषता है-वह स्वयं जलता है और दूसरों को प्रकाश देता है। यही भारत की संस्कृति का मूल चरित्र है। वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना लेकर चलने वाला भारत अपने उत्थान को विश्वकल्याण से अलग नहीं देख सकता।

भारत यदि विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे दुनिया को केवल ज्ञान नहीं,जीवन का संतुलन भी देना होगा,केवल समृद्धि का मॉडल नहीं,शांति का मार्ग भी दिखाना होगा। इस दीपावली एक प्रश्न अपने आप से जरूर पूछें-मेरे भीतर कौन-सा अंधकार अभी बाकी है? क्रोध,लोभ, अहंकार,ईर्ष्या,भय,असंवेदनशीलता या निष्क्रियता? क्योंकि अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता। एक छोटा-सा दीप जलाना पड़ता है। दीपक हमें यह भी सिखाता है कि जीवन से पलायन नहीं,परिवर्तन चाहिए।

**सूचना**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

**सम्पादक**

## अफसाना

तुम क्या जानो पढ़ाई क्या होती है! जब देखो तब टेंशन देते रहते हो। चांदपुर गांव का वह कच्चा मकान, जिसकी छत हर बरसात में टपकती थी, दो उम्मीदों के सहारे टिका हुआ था। एक मां की आंखों की वे नम दुआएं जो वह हर सजदे में मांगती थी, और दूसरा बाप की कमज़ोर हड्डियां जो दिन भर भट्ठे पर ईंटें थापते-थापते पत्थर हो चुकी थीं।रमज़ान और उसकी पत्नी बिलक़ीस ने अपनी पूरी जिंदगी एक ही सपने की भट्ठी में झोंक दी थी,उनका इकलौता बेटा इशहाक वह मुक़ाम हासिल करे जो वे दोनों कभी न कर सके। वह पढ़ेगा, बड़े शहर जाएगा, डॉक्टर बनेगा और इस ग़रीबी के अंधेरे को हमेशा-हमेशा के लिए मिटा देगा।इशहाक़ जब पहली बार शहर के बड़े कोचिंग संस्थान के लिए रवाना हुआ, तो रमज़ान ने अपनी जेब से वे पांच सौ रुपये निकाले जो उसने दिन-रात की मेहनत-मजदूरी से बचाकर रखे थे। उसने बेटे की हथेली पर पैसे रखते हुए कहा, ÷बेटा! फ़िक्र मत करना। जब तक तेरा बाप ज़िंदा है, तुझे किसी चीज़ की कमी नहीं होने देगा।÷मां-बाप खुद भूखे सो जाते, रातों को फ़िक्र के मारे उनकी नींद उड़ जाती कि उनका बेटा शहर में कैसा होगा, क्या खा रहा होगा। वे हर महीने जोड़-तोड़ करके कोचिंग और कमरे के लिए पैसे भेजते रहते। लेकिन शहर की चकाचौंध ने इशहाक़ को बहुत जल्द अपनी गिरफ्त में ले लिया। पहले-पहल वह हफ़्ते में दो बार फ़ोन करता था। मां घंटों उससे बातें करती और बाप दूर खड़ा बस बेटे की आवाज सुनकर ही खुश हो जाता। पर वक्त बीतने के साथ इशहाक़ का रवैया बदलने लगा। कमरे की चार दीवारों में अब किताबें कम और स्मार्टफोन की नीली रोशनी ज़्यादा चमकती थी। दिन भर मोबाइल पर रील्स और गेमिंग की दुनिया में गुम इशहाक़ को यह ख़बर ही न रही कि जिस स्क्रीन को वह सारा दिन उंगलियों से स्क्रॉल करता है, उसे चलाने के लिए उसके बाप की कमर कितनी झुक चुकी है।

जब भी फ़ीस या जेब ख़र्च के लिए पैसे कम पड़ते, इशहाक़ का एक ही रटा-रटाया जवाब होता, ÷पैसे भेज दो!रमज़ान कभी साहूकार के पास जाता,कभी किसी रिश्तेदार के आगे हाथ फैलाता और मां अपने हाथों की आखिरी चूड़ियां तक बेचने का सोचने लगती। अगर कभी मां-बाप प्यार से पूछ लेते,बेटा! पढ़ाई कैसी चल रही है? तो इशहाक चिढ़कर गुस्सा हो जाता,तुम क्या जानो पढ़ाई क्या होती है! जब देखो तब टेंशन देते रहते हो।÷ और फ़ोन काट देता। मां रातों को उठ-उठकर रोती और बाप चुपचाप आसमान को तकता रहता।कुछ साल यूं ही गुजर गए। आखिर नीट का रिज़ल्ट आ गया। इशहाक़ घर लौटा, लेकिन उसके चेहरे पर वह चमक नहीं थी। नंबर उतने नहीं आए थे जितने डॉक्टर बनने के लिए चाहिए थे। घर में सन्नाटा छा गया। मां-बाप ग़रीब जरूर थे, लेकिन रमज़ान पढ़ा-लिखा और समझदार इंसान था। उसने बेटे को ताना नहीं दिया। उसने सोचा कि अगर बेटा डॉक्टर नहीं बन पाया, तो कोई बात नहीं,वह बेटे में अपना अक्स (परछाई) तलाशने लगा। मां भी अपने बच्चे के साथ खड़ी हो गई।

लेकिन रमज़ान की आस अभी पूरी तरह टूटी नहीं थी। उसने अपने बेटे का सपना पूरा करने के लिए एक आख़िरी और खौफ़नाक कदम उठाया।

रमज़ान ने गांव का अपना पुश्तैनी मकान बेच दिया। जीवन भर की जमा-पूंजी और खून-पसीने की कमाई लगा दी। उसने शहर के एक दूर-दराज प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में मैनेजमेंट कोटे की सीट के लिए लाखों रुपये जमा कर दिए। जो कुछ थोड़े-बहुत पैसे बचे, वे बेटे के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दिए ताकि उसे कोई कमी न हो।

रमज़ान ने बिलक़ीस से कहा,कोई बात नहीं बिलक़ीस, सिर पर छत न सही,हमारे पास अभी दो एकड़ ज़मीन बची है। हम उसके कोने पर एक छोटी सी झोपड़ी डालकर रह लेंगे। हमारा बेटा जब डॉक्टर बनकर लौटेगा तो सब ठीक हो जाएगा।÷

मकान बिक जाने के बाद रमज़ान पढ़ा-लिखा होकर भी अनपढ़ सा लगने लगा था। उसके फटे-पुराने कपड़े और लाचार शरीर उसकी बेबसी की गवाही देते थे। वह शहर के तौर-तरीक़े नहीं समझ पाता था। इशहाक जब भी बाप को देखता,तो उसे अपने ही अनपढ़ और फ़टेहाल बाप से शर्म आने लगती थी।

अभी कॉलेज शुरू भी नहीं हुआ था कि एक दिन इशहाक़ ने अचानक धमाका कर दिया। उसने दो टूक कह दिया,मैं शहर नहीं जाऊंगा! मुझे नहीं पढ़ना।

रमज़ान के पैरों तले जमीन खिसक गई। लाखों रुपये कॉलेज में जमा हो चुके थे। जब रमज़ान भागता हुआ कॉलेज गया, तो उन्होंने साफ़ कह दिया,पैसे वापस नहीं मिलेंगे। अगर आपका बेटा नहीं पढ़ेगा तो हमारी एक सीट ख़ाली रह जाएगी और हमारा बड़ा नुकसान होगा। इसलिए पढ़ना है तो पढ़ाइए,वरना पैसे भूल जाइए। मां और बाप ने गिड़गिड़ाकर इशहाक़ को बहुत समझाया। रमज़ान ने अपने कांपते हाथ जोड़ लिए,पैर तक पकड़ लिए, लेकिन इशहाक़ न जाने किसकी सीख में लगा था या किस जिद्द में ऐंठ गया था,वह पढ़ना ही नहीं चाहता था। लाखों रुपये पानी में डूब गए। धीरे-धीरे वक्त का पहिया घुमा और सब कुछ तबाह हो गया। आख़िर में वह दो एकड़ खेत भी बिक गया। बुढ़ापे और लाचारी के कारण अब रमज़ान से मेहनत-मजदूरी भी नहीं होती थी। शरीर जर्जर हो चुका था,इसलिए गांव में अब कोई उसे काम पर भी नहीं बुलाता था। मां-बाप समझा-समझकर लाचार हो चुके थे,और इशहाक बेफ़िक्र होकर अपने मोबाइल में मस्त रहता था।फ़िर वह एक काली और सर्द रात आई।आकाश में घना अंधेरा था और हवा में एक अजीब सा सन्नाटा। इशहाक़ रोज की तरह देर रात तक मोबाइल देखता रहा और सो गया।अगली सुबह जब धूप काफ़ी निकल आई,तो इशहाक़ की आंख खुली। घर में अजीब सी खामोशी फैली थी। न रसोई से बर्तनों की आवाज आ रही थी,न बाहर आंगन में बाप के खांसने की।इशहाक़ ने अलसाए स्वर में आवाज़ दी,अम्मां! अब्बा! कोई जवाब नहीं आया। उसने उठकर झोपड़ी का कोना-कोना छान मारा, लेकिन मां-बाप कहीं नहीं थे। तभी उसकी नज़र कमरे की टूटी हुई मेज़ पर पड़ी,जहां उसका मोबाइल रखा था। मोबाइल के नीचे एक लिफ़ाफ़ा दबा हुआ था। इशहाक़ ने आगे बढ़कर लिफाफा खोला। उसके अंदर उसके बैंक अकाउंट की पासबुक और उसकी सभी मार्कशीट रखी थीं। साथ में एक छोटी सी पर्ची पर रमज़ान की कांपती हुई लिखावट में दो पंक्तियां लिखी थीं,बेटा! हमने तुझे आसमान छूने के लिए पंख दिए थे,लेकिन तूने ज़मीन से ही नाता तोड़ लिया। जो खेत और मकान बिके,उनके भी बचे हुए पैसे तेरे अकाउंट में जमा करवा दिए हैं। अब तुझे हमारी जरूरत नहीं है और हमें इस दुनिया से कोई गिला नहीं। हम तेरी ज़िंदगी का वह बोझ थे जो तुझे आगे बढ़ने से रोक रहा था, इसलिए आज हम खुद को तेरे रास्ते से हटा रहे हैं।

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

CMYK

# तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन,1800 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा







-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का तीन दिवसीय आयोजन 5 अक्टूबर 2026 को गांधी स्टेडियम में संपन्न हुआ। 3 से 5 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के लगभग 1800 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन गांधी स्टेडियम,पी.जी.कॉलेज मैदान,बैडमिंटन हॉल एवं सेंट जेवियर स्कूल मैदान में किया गया। समापन समारोह शाम 5 बजे गांधी स्टेडियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी,बैडमिंटन,फुटबॉल,हॉकी,कुश्ती,कराते,कबड्डी, खो-खो,वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल सहित कुल 11 खेल विधाओं में मुकाबले आयोजित किए गए। एथलेटिक्स के अंतर्गत 100, 200 एवं 400 मीटर दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक,लंबी कूद, ऊंची कूद तथा 4×100 मीटर रिले रेस प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। आयोजन में लगभग 150 कोच, मैनेजर एवं निर्णायकों ने भी सहभागिता की। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को समापन समारोह में सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत खेलों में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 2,000, 1,500 एवं 1,000 रुपये तथा दलीय खेलों में क्रमशः 4,000, 3,000 एवं 2,000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। पुरस्कार राशि खिलाड़ियों के बैंक खातों में ऑनलाइन अंतरित की जाएगी। इस अवसर पर व्यक्तिगत खेलों के विजेताओं को मेडल एवं ट्रॉफी तथा दलीय खेलों के विजेता खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं मेडल प्रदान किए गए।

## सरगुजा ओलंपिक में अव्यवस्था की खुली पोल,8 घंटे तक बस के इंतजार में भटकते रहे खिलाड़ी

### भूखे-प्यासे खिलाड़ियों ने विधायक को किया फोन,कलेक्टर के हस्तक्षेप के बाद मिली राहत

सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजन में खिलाड़ियों की सुविधाओं को लेकर प्रशासन की तैयारियों की पोल खुल गई। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने सीतापुर ब्लॉक से अंबिकापुर पहुंचे 45 से अधिक खिलाड़ी गुरुवार को घर वापसी के लिए घंटों परेशान होते रहे। उन्हें शाम 4 बजे बस से सीतापुर रवाना होना था,लेकिन रात 11 बजे तक बस नहीं पहुंची। इस दौरान खिलाड़ी गांधी स्टेडियम के बाहर भूखे-प्यासे और ठंड में परेशान होते रहे। हैरानी की बात यह रही कि खिलाड़ियों की वापसी की जिम्मेदारी संभालने वाला कोई अधिकारी या आयोजन प्रभारी मौके पर मौजूद नहीं था। आखिरकार परेशान खिलाड़ियों ने रात करीब 11 बजे सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो को फोन कर अपनी समस्या बताई। विधायक ने सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत से बात कर मामले की जानकारी दी। कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव गांधी स्टेडियम पहुंचीं। उन्होंने तत्काल खिलाड़ियों के भोजन की व्यवस्था कराई और दूसरी बस बुलवाकर उन्हें सीतापुर रवाना किया। रात करीब 12 बजे खिलाड़ी अपने घरों के लिए रवाना हो सके। प्रशासन की इस लापरवाही पर विधायक ने भी नाराजगी जताई।

**शाम 4 बजे से करते रहे बस का इंतजार :** जानकारी के अनुसार,सरगुजा ओलंपिक की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने सीतापुर ब्लॉक से





45 से अधिक खिलाड़ी अंबिकापुर आए थे। इनमें युवक-युवतियों के साथ स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी भी शामिल थे। गुरुवार को प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद शाम 4 बजे उन्हें वापस सीतापुर भेजने के लिए बस की व्यवस्था की गई थी। खिलाड़ी निर्धारित समय पर गांधी स्टेडियम में बस का इंतजार करते रहे, लेकिन शाम से रात हो गई और वाहन नहीं पहुंचा। इस बीच आयोजन से जुड़े अधिकारी और प्रभारी भी वहां से जा चुके थे। ऐसे में खिलाड़ियों को कई घंटे तक बिना भोजन और परिवहन सुविधा के परेशान होना पड़ा।

**लाखों का बजट,लेकिन खिलाड़ियों की घर वापसी का इंतजाम नहीं :** सरगुजा ओलंपिक के ब्लॉक और जिला स्तरीय आयोजन के लिए लाखों रुपए की फंडिंग की गई है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में करीब 1800 खिलाड़ी शामिल हुए। इसके बावजूद खिलाड़ियों के लिए भोजन और परिवहन जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं में लापरवाही सामने आई। प्रतियोगिता के समापन के बाद खिलाड़ियों को सुरक्षित उनके ब्लॉक तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी आयोजन प्रबंधन की थी, लेकिन सीतापुर के खिलाड़ियों को रात तक इंतजार करना पड़ा। अब प्रतियोगिता का अगला चरण संभाग स्तरीय होगा,जिसमें पूरे संभाग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ऐसे में जिला स्तरीय आयोजन की अव्यवस्थाओं से सबक लेकर आगामी आयोजन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करना प्रशासन के सामने चुनौती होगी।

## जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 आयोजन में व्यवस्थाओं में लापरवाही

# कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला खेल अधिकारी और सीतापुर सीईओ को जारी किया कारण बताओ नोटिस

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक 2026 के आयोजन में व्यवस्थाओं में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने खिलाड़ियों की वापसी, वाहन और भोजन की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के सम्बन्ध में जिला खेल अधिकारी श्री राम कुमार सिंह और जनपद पंचायत सीतापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जय गोविंद गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस के अनुसार 5 नवंबर 2026 को अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में सरगुजा ओलंपिक 2026 का समापन समारोह आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विभिन्न जनपद पंचायतों से खिलाड़ियों के दल पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सीतापुर के खिलाड़ियों को शाम 6 बजे वापस रवाना किया जाना था,लेकिन निर्धारित समय पर उनके लिए वापसी की व्यवस्था नहीं की गई। जारी नोटिस के अनुसार खिलाड़ियों के दल को रात करीब 10 से 11 बजे सीतापुर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान उनके भोजन की व्यवस्था भी नहीं की गई। इससे खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कलेक्टर ने इसे शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही और उदासीनता मानते हुए संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में जिला खेल अधिकारी से पूछा गया है कि समय पर वाहन और भोजन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई तथा नोडल अधिकारियों को आवश्यक जानकारी समय पर क्यों उपलब्ध नहीं कराई गई। वहीं जनपद पंचायत सीतापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से भी दल की वापसी के लिए समय पर समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। नोटिस में संबंधित अधिकारियों को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 में विहित प्रावधानों के उल्लंघन और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित बताया गया है। दो दिवस के भीतर समाधानकारक जवाब कलेक्टर सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकपक्षीय कार्यवाही किया जाएगा।



# सरहरी स्कूल में सजी दीपोत्सव की रंगोली विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरहरी में दीपावली के अवसर पर दीपोत्सव रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक रंगोलियां बनाई। प्रतियोगिता का खास आकर्षण पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती रंगोलियां रहीं। विद्यार्थियों ने रासायनिक रंगों के बजाय फूल, पत्तियों, लकड़ी,बालू और गिट्टी जैसी प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग कर आकर्षक कलाकृतियां तैयार कीं। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप तिवारी ने विद्यार्थियों और स्टाफ को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने घोषणा की कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने प्रतियोगिता के परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन दो स्तरों पर किया गया था। माध्यमिक स्तरः रागिनी, पीहू और सुषमा ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रियंका द्वितीय और गुनगुन तृतीय स्थान पर रहीं। हायर सेकंडरी स्तरः कक्षा 12वीं के ग्रुप एफ के मयंक, तारा रानी, पंकज, प्रिया और राजकुमारी ने प्रथम स्थान



हासिल किया। ग्रुप सी द्वितीय रहा। वहीं कक्षा 9वीं के ग्रुप ए की सृष्टि और साक्षी तथा कक्षा 10वीं के ग्रुप जी की दिलेश्वरी और श्रुति ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ का योगदान रहा। आयोजन में निशा तिवारी,मनीषा एक्का,ए. कुजूर,जे. कुजूर, सुनीता नेताम,शशि पटवा,रूखमणि पैकरा,अन्नपूर्णा कुल्हाड़ी,अविनाश तिवारी,रूप सहित अन्य शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

# 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी,सरगुजा जिले के 61 उपार्जन केंद्रों में तैयारियां अंतिम चरण में

### जिले के 61 उपार्जन केंद्रों में 62 हजार 471 किसान पंजीकृत..67 हजार 929.40 हेक्टेयर धान के रकबे का हुआ पंजीयन

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा धान खरीदी की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में आगामी 15 नवंबर से प्रारंभ होने वाली धान खरीदी को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में कुल 62 हजार 471 किसानों का पंजीयन किया गया है, जिनका कुल पंजीकृत रकबा 67 हजार 929.40 हेक्टेयर है। जिले में पूर्व में संचालित 54 धान उपार्जन केंद्रों के अतिरिक्त किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 7 नवीन धान उपार्जन केंद्र बनाए



गए हैं। इसके साथ ही जिले में धान उपार्जन केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 61 हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी।

**नवीन उपार्जन केंद्रों से किसानों को मिलेगी सुविधा,कम होगी दूरी :** राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिले में 7 नए धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के प्रारंभ होने से संबंधित ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूरस्थ उपार्जन केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम होगी। इससे किसानों के परिवहन में लगने वाले समय और खर्च में कमी आने के साथ धान विक्रय की प्रक्रिया भी अधिक सुविधाजनक हो सकेगी।

**उपार्जन केंद्र में तैयारियां लगभग पूर्ण, किसानों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान :** दरिमा धान उपार्जन केंद्र में भी खरीदी को लेकर तैयारियां लगभग अंतिम चरण में हैं। धान उपार्जन समिति के सत्यम कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ होनी है। इसके लिए केंद्र परिसर की साफ-सफाई के साथ किसानों के लिए पेयजल,बैठने हेतु छाया सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि दरिमा समिति में लगभग 885 किसान पंजीकृत हैं,जिनमें से प्रतिवर्ष धान का विक्रय करते हैं।

किसानों को उपार्जन केंद्र में अपनी उपज बेचने के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो,इसे ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। खरीदी प्रारंभ होने से पहले शेष व्यवस्थाएं भी पूर्ण कर ली जाएंगी,ताकि किसानों को बेहतर सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से धान विक्रय की सुविधा मिल सके।

# कुत्ते के हमले में बछड़े की बाहर निकल आई थी आंत,डॉक्टरों ने की सफल सर्जरी

### कांजी हाउस में गंभीर हालत में मिला था बछड़ा, एमवीयू खड़गवां-01 की टीम ने बचाई जान

-संवाददाता-
**एमसीबी,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
कुत्ते के हमले में गंभीर रूप से घायल एक लावारिस बछड़े की छोटी आंत पेट से बाहर निकल आई थी। हालत इतनी गंभीर थी कि उसकी जान बचाना चुनौती बन गया था। सूचना मिलते ही मोबाइल वेटरनरी यूनिट (एमवीयू) खड़गवां-01 की टीम मौके पर पहुंची और आपातकालीन शल्य चिकित्सा कर बछड़े की जान बचाने में सफलता हासिल की। मिली जानकारी के अनुसार,6 नवंबर को चिरमिरी नगर निगम के अंतर्गत संचालित कांजी हाउस से प्रेम शंकर सोनी ने एक घायल बछड़े के संबंध में सूचना दी थी। बताया गया कि बछड़े पर कुत्ते ने हमला कर दिया था, जिससे उसके पेट में गंभीर चोट आई और छोटी आंत बाहर निकल गई थी। सूचना पर एमवीयू की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बछड़े का परीक्षण किया।



**क्षतिग्रस्त आंत का हिस्सा काटकर की गई सर्जरी :** जांच में छोटी आंत का एक हिस्सा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त और फटा हुआ पाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने तत्काल शल्य चिकित्सा शुरू की। ऑपरेशन के दौरान क्षतिग्रस्त आंत के हिस्से को सर्जरी के माध्यम से हटाया गया तथा आवश्यक मरम्मत की गई। टीम के अनुसार शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

**संक्रमण से बचाव के लिए विशेष निगरानी :** सर्जरी के बाद बछड़े को एंटीबायोटिक,दर्द निवारक और अन्य जरूरी दवाएं दी गईं। साथ ही घाव की नियमित देखभाल, स्वच्छता और संक्रमण से बचाव के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

**एमवीयू टीम का रहा सराहनीय योगदान :** इस आपातकालीन शल्य चिकित्सा को सफल बनाने में एमवीयू खड़गवां-01 के डॉ. विनोद सिंह,पंकज कुमार एवं राम किशन यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गंभीर हालत में पहुंचे बछड़े का समय पर उपचार कर टीम ने पशु चिकित्सा सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की।

# धनतेरस पर बाजार रहा गुलजार...करोड़ों के कारोबार की उम्मीद

## अब आज से दिवाली की खरीदारी,बाजार में रौनक...

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
धनतेरस पर इस बार बाजार में खरीदारी का सबसे ज्यादा उत्साह ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिला। शुभ मुहूर्त में नया वाहन घर ले जाने की चाहत लोगों में इस कदर रही कि सुबह से ही दोपहिया वाहन शोरूम में ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी। धनतेरस पर दोपहिया वाहनों के अलावा सोने-चांदी के आभूषण,इलेक्ट्रॉनिक्स सामान,बर्तन और फर्नीचर की भी जमकर बिक्री हुई। सुबह से देर रात तक बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। व्यापारियों के अनुसार,शहर में एक दिन में करोड़ों रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। महंगाई के बावजूद खरीदारी के उत्साह में कमी नहीं दिखी।

धनतेरस पर बाजार में उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए थे। शहर के अंदर चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया, जबकि दोपहिया वाहनों को आवाजाही की अनुमति दी गई। शाम के बाद बाजार में भीड़ और बढ़ गई। इसके बावजूद पुलिसकर्मी प्रमुख चौक-चौराहों और मार्गों पर यातायात व्यवस्था संभालते नजर आए।

**ज्वेलरी से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक जमकर खरीदारी :** ऑटोमोबाइल के अलावा ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और बर्तन बाजार में भी अच्छी ग्राहकी रही। सोने-चांदी के आभूषणों की दुकानों में महिलाओं की भीड़ लगी रही। लोगों ने पूजा सामग्री,रसोई के बर्तन,मोबाइल,लैपटॉप, टीवी और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की खरीदारी की। फर्नीचर दुकानों में भी ग्राहकों ने नए डिजाइन के सोफा,बेड और अन्य सामान पसंद किए।

**देर रात तक गुलजार रहे बाजार :** सदर रोड,देवीगंज रोड,खरसिया रोड और मनेंद्रगढ़ रोड के बाजारों में देर रात तक रौनक बनी रही। सरगुजा हीरो,आनंद ऑटोमोबाइल्स,महामाया होंडा सहित अन्य वाहन शोरूम में भी अच्छी बिक्री हुई। सोना महल,परशुराम आभूषण,श्रीराम ज्वेलर्स और कंचन ज्वेलर्स में ग्राहकों की भीड़ रही। बाजार में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर यातायात व्यवस्था संभाली। सूरजपुर और एमसीबी जिले में भी धनतेरस पर बाजार गुलजार रहे।



# बोलेरो की स्टेपनी चुराई,दुकान में छिपाकर रखा था टायर-ड्रम

### चांदो पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा,पूछताछ में साथियों के साथ चोरी करना कबूला

-संवाददाता-
**बलरामपुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
घर के बाहर खड़ी बोलेरो को चोरों ने निशाना बनाया और उसकी स्टेपनी टायर ड्रम सहित पार कर दी। शिकायत के बाद हरकत में आई चांदो पुलिस ने मामले की जांच करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। चोरी का सामान एक आरोपी की दुकान में छिपाकर रखा गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार,प्रार्थी सतेंद्र प्रसाद गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 4 नवंबर की रात उन्होंने अपनी बोलेरो (CG 30 J 2445) घर के बाहर शेड में खड़ी की थी। सुबह करीब 5 बजे उठने पर



वाहन की स्टेपनी टायर ड्रम सहित गायब मिली। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

**कबाड़ी और पंचर दुकानों में तलाश, दुकान से मिला चोरी का सामान :** मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीप त्रिपाठी एवं एसडीओपी याकूब मेमन के निर्देशन में पुलिस टीम ने कबाड़ी दुकानों,पंचर दुकानों और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। इसी दौरान आसिफ रजा की दुकान में छिपाकर रखा गया चोरी का टायर और ड्रम बरामद हुआ। पूछताछ में आसिफ ने कादिर अंसारी और उदयचंद कोरवा के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया।

**तीनों आरोपी इदरीकला के निवासी :** गिरफ्तार आरोपियों में आसिफ रजा (21), कादिर अंसारी (31) और उदयचंद कोरवा (36) शामिल हैं। तीनों इदरीकला, थाना चांदो के निवासी हैं। पुलिस ने विधिसम्मत कार्रवाई के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया।

# श्वान के काटने से मासूम की मौत,एंटी रेबीज के तीन डोज लगने के बाद भी नहीं बची जान

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**
आवारा श्वान के काटने से गंभीर रूप से घायल 1 साल 8 माह की मासूम बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्ची को घटना के बाद एंटी रेबीज के तीन डोज लगाए गए थे,इसके बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे थे,जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार,कल्याणपुर निवासी रूपा अपने पति से अलग ग्राम चिंदिया स्थित मायके में 1 साल 8 माह की बेटी के साथ रहती थी। बच्ची के पालन-पोषण और खुद के खर्च के लिए वह बरियों स्थित एक ढाबे में काम करती थी। करीब 10 दिन पूर्व महिला ढाबे में काम कर रही थी और बच्ची पास में ही खेल रही थी। इसी दौरान एक आवारा श्वान ने बच्ची के गले और होंठ के पास काट लिया। घटना के बाद परिजन बच्ची को उपचार के लिए राजपुर अस्पताल ले गए,जहां उसे एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया। इसके बाद उसे रेबीज के तीन डोज लगाए गए। दो दिन पूर्व अचानक बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां भर्ती कर उपचार किया जा रहा था।

CMYK




# बस जब्ती की कार्रवाई पर हाईकोर्ट सख्त...दोनों चालान निरस्त,अधिकारियों से मांगा पूरा हिसाब

## जिस विभाग ने बस जब्त की,उसी की निगरानी में सामान गायब! हाईकोर्ट ने अधिकारियों को ठहराया दोषपूर्ण

**नौ महीने बस खड़ी रही,सामान गायब हुआ,हाईकोर्ट बोला...अधिकारियों ने मनमाने तरीके से किया काम**

**परिवहन विभाग की कार्रवाई पर हाईकोर्ट का बड़ा प्रहार,चालान रद्द कर पूछा...बस किसने और क्यों जब्त की?**

**कानून के रखवालों की कार्रवाई पर अदालत के सवाल,सरकारी अभिरक्षा में बस से चोरी को भी नहीं नकारा...**

**बस को चलने योग्य बनाकर लौटाने का आदेश,जब्ती करने वाले कर्मचारियों की पहचान और कार्रवाई का विवरण 30 नवंबर को मांगा...**

**मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 की प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर अदालत की कड़ी टिप्पणी**

-न्यूज डेस्क-

**एमसीबी /प्रयागराज/रायपुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

अंतरराज्यीय यात्री बसों का संचालन केवल परमिट और कागजी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं है,बल्कि इसके पीछे परिवहन विभाग की जवाबदेही और निष्पक्ष कार्यप्रणाली भी उतनी ही महत्वपूर्ण है,लेकिन जब वैध दस्तावेजों के साथ यात्रा कर रही किसी बस को जब्त कर महीनों तक सरकारी परिसर में खड़ा रखा जाए,उसकी सुरक्षा सुनिश्चित न हो और बाद में उसी बस से सामान गायब मिलने लगे, तो सवाल केवल बस संचालक के नुकसान का नहीं,बल्कि सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही का भी बन जाता है,छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश जा रही स्टार टूर एंड ट्रेवल्स की बस के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट का 4 नवंबर 2026 का आदेश इसी गंभीर सवाल को सामने लाता है, अदालत ने बस के संबंध में जारी दोनों चालानों को निरस्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को बस को दोबारा चलने योग्य स्थिति में बहाल करने का निर्देश दिया है,इतना ही नहीं, न्यायालय ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए उनकी कार्रवाई को मनमाना बताया और अगली सुनवाई में बस जब्त करने वाले कर्मचारियों की पहचान, उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई तथा बस की बहाली में हुए खर्च का पूरा हिसाब मांगा है,यह मामला रिट-ए संख्या 3658/2026, बस संचालक बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य से जुड़ा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंडपीठ ने न्यायालय संख्या 21 में इसकी सुनवाई की, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता गोविंद नारायण मिश्रा तथा राज्य की ओर से अधिवक्ता शरद चंद्र उपाध्याय ने पक्ष रखा, याचिका में बस को गलत तरीके से जब्त किए जाने और लंबे समय तक सरकारी अभिरक्षा में रखे जाने को चुनौती दी गई थी।

### धारा 207 का हवाला,लेकिन जब्ती की प्रक्रिया पर अदालत ने मांगा जवाब

बस को जब्त करने के अधिकार के संबंध में राज्य पक्ष के अधिवक्ता ने मोटर वाहन अधिनियम,1988 की धारा 207 का हवाला दिया। इस प्रावधान के तहत निर्धारित परिस्थितियों में वाहन को निरुद्ध किए जाने की व्यवस्था है,राज्य पक्ष की ओर से कहा गया कि बस के चालान में परमिट उल्लंघन का उल्लेख था और कोई दस्तावेज जब्त नहीं किया गया था,यह भी बताया गया कि जारी दस्तावेज चालान था,सीजर मेमो नहीं, लेकिन अदालत के सामने बड़ा सवाल यह था कि जब बस को जब्त कर अधिकारियों की अभिरक्षा में रखा गया,तो उसके सुरक्षित रखरखाव की जिम्मेदारी किसकी थी और कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया? न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि बस जब्त होने और चालान जारी किए जाने के बाद अधिकारियों की अभिरक्षा में रही,ऐसे में वाहन की स्थिति और उसकी सुरक्षा को लेकर विभाग की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

**33 मिनट के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर दो चालान,जब्ती की कार्रवाई पर उठे सवाल**-प्रकरण में याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि 21 फरवरी 2026 को बस के विरुद्ध दो अलग-अलग चालान जारी किए गए,पहला चालान सुबह 6 बजकर 21 मिनट पर नवाब युसुफ रोड पर अतिरिक्त सीटों के आरोप में काटा गया,जबकि दूसरा चालान सुबह 6 बजकर 54 मिनट पर महात्मा गांधी मार्ग,जॉर्ज टाउन में परमिट की शर्तों के उल्लंघन का हवाला देकर जारी किया गया,याचिका का प्रमुख सवाल था कि जब पहला चालान जारी करने के साथ ही बस को जब्त कर लिया गया था,तो महज 33 मिनट बाद वही बस दूसरे स्थान पर कैसे पहुंच गई और वहां दूसरा चालान कैसे जारी हुआ? यह सवाल बस संचालक की ओर से अदालत के समक्ष उठाया गया। बस में छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश के खागा-फतेहपुर जा रहे यात्री सवार थे,याचिकाकर्ता के अनुसार बस के परमिट में 40 सीटें–11 स्लीपर और 29 सीटिंग–दर्ज थीं,उसने चालान की तारीख पर परमिट सहित आवश्यक दस्तावेज वैध होने का दावा भी किया,याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि बस जब्त किए जाने के समय विधिवत सीजर मेमो उपलब्ध नहीं कराया गया,इस पूरे घटनाक्रम ने जब्ती की प्रक्रिया और दोनों चालानों के आधार पर सवाल खड़े किए,हालांकि,इन आरोपों और घटनाक्रम का अंतिम मूल्यांकन न्यायालय के आदेश में दर्ज टिप्पणियों और निर्देशों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

**नौ महीने सरकारी परिसर में खड़ी रही बस, निरीक्षण में गायब मिला सामान**-21 फरवरी 2026 को जब्त की गई बस लंबे समय तक प्रयागराज के सिविल लाइंस स्थित रोडवेज बस स्टैंड परिसर में खड़ी रही, याचिकाकर्ता का आरोप था कि बस को छुड़ाने के लिए उसने विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए, लेकिन राहत नहीं मिली। इस दौरान बस की स्थिति लगातार खराब होती गई,28 सितंबर 2026 को मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की शिकायतों पर गंभीरता दिखाई। अदालत ने संबंधित अधिकारियों में से सक्षम अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से फाइल सहित उपस्थित होकर सवालों का जवाब देने का निर्देश दिया,इसके बाद 7 अक्टूबर को अधिकारी अदालत में उपस्थित हुए,सुनवाई के दौरान न्यायालय ने जब्ती और चालानों की परिस्थितियों पर सवाल उठाए तथा बस का निरीक्षण कराने का निर्देश दिया, कोर्ट के निर्देश पर 8 अक्टूबर को बस का निरीक्षण किया गया,4 नवंबर के आदेश में राज्य पक्ष की ओर से दी गई जानकारी का उल्लेख है कि बस के दरवाजों के ताले,बैटरी और कुछ स्लीपर गद्दे गायब थे। वहीं याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि 28 सितंबर को निरीक्षण के समय बस के टायर भी गायब थे,जबकि बाद में उनमें दूसरे टायर लगा दिए गए थे,यहां मामला और गंभीर हो गया, जिस बस को विभाग ने जब्त कर अपनी अभिरक्षा में रखा था,उसी से सामान गायब होने की बात निरीक्षण में सामने आई, अदालत ने अपने आदेश में कहा कि निरीक्षण के दौरान बस से चोरी होने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता।

**दोनों चालान निरस्त,बस को चलने योग्य बनाकर लौटाने का आदेश**-हाईकोर्ट ने अपने अंतिम आदेश में दोनों विवादित चालानों को निरस्त कर दिया। साथ ही उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त और संबंधित संभागीय परिवहन अधिकारी,प्रयागराज को बस को दोबारा चलने योग्य स्थिति में बहाल करने का निर्देश दिया,अदालत ने आदेश दिया कि बस की मरम्मत और बहाली के बाद उसे फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए पंजीकरण प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, पंजीकरण प्राधिकारी जांच के बाद यह प्रमाणित करेगा कि बस राज्य की यात्री गाड़ी के रूप में संचालन के योग्य है या नहीं,आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि बस का परमिट समाप्त हो चुका है,इसलिए फिटनेस प्रमाणन के बाद याचिकाकर्ता को परमिट नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा,इस पूरी प्रक्रिया को आदेश की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है, यानी बस को चलने योग्य स्थिति में बहाल करने,फिटनेस प्रमाणन और परमिट नवीनीकरण की प्रक्रिया के लिए निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई करनी होगी,अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को आदेश की वेबसाइट प्रति संबंधित अधिकारियों और पंजीकरण प्राधिकारी तक पहुंचानी है,इसके अतिरिक्त आदेश के अनुपालन के लिए उसे कोई अन्य औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने की आवश्यकता नहीं है, इसका अर्थ यह है कि हाईकोर्ट ने बस को तत्काल बिना फिटनेस और परमिट नवीनीकरण के सड़क पर चलाने की अनुमति नहीं दी है, बल्कि उसे निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर संचालन योग्य बनाने का रास्ता दिया है।

**30 नवंबर को फिर अदालत में पेश होगा पूरा हिसाब**-हाईकोर्ट ने मामले को समाप्त नहीं किया है, आदेश में अगली सुनवाई 30 नवंबर 2026 को निर्धारित की गई है,इस तारीख पर परिवहन आयुक्त और संबंधित परिवहन अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां अदालत के सामने रखनी होंगी, अदालत ने निर्देश दिया है कि बस जब्त करने वाले कर्मचारियों की पहचान की जाए और उनका पूरा विवरण प्रस्तुत किया जाए, साथ ही उनके विरुद्ध राज्य सरकार की ओर से क्या कार्रवाई शुरू की गई है,इसकी जानकारी भी देनी होगी,इसके अतिरिक्त बस को चलने योग्य स्थिति में बहाल करने और न्यायालय के आदेश का पालन कराने में कितना खर्च हुआ तथा उसके लिए राशि किस प्रकार उपलब्ध कराई गई,इसका विवरण भी अदालत में पेश करना होगा,इस निर्देश से स्पष्ट है कि न्यायालय केवल बस लौटाने तक सीमित नहीं रहना चाहता,बल्कि जब्ती की कार्रवाई करने वाले कर्मचारियों की पहचान और सरकारी अभिरक्षा में बस की सुरक्षा में हुई चूक की जवाबदेही भी जानना चाहता है।

**अंतरराज्यीय बस संचालन और परिवहन विभाग की जवाबदेही पर बड़ा सवाल**-यह मामला केवल एक बस संचालक और परिवहन विभाग के बीच विवाद नहीं रह गया है,अंतरराज्यीय यात्री परिवहन में परमिट, फिटनेस और अन्य वैधानिक दस्तावेजों का पालन जितना जरूरी है,उतना ही जरूरी है कि परिवहन विभाग भी कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई करे,यदि किसी वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की जाती है,तो उसका स्पष्ट वैधानिक आधार होना चाहिए और जब्त वाहन की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संबंधित विभाग की होती है, इस मामले में 33 मिनट के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर जारी चालानों का सवाल, जब्ती की प्रक्रिया,सीजर मेमो का अभाव,लंबे समय तक बस का सरकारी परिसर में खड़ा रहना और निरीक्षण के दौरान सामान गायब मिलने जैसे पहलू एक साथ सामने आए, हाईकोर्ट ने इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए चालानों को निरस्त किया और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी दर्ज की,अब सवाल यह है कि बस को निर्धारित समयसीमा में कितनी अच्छी स्थिति में बहाल किया जाता है? जिन कर्मचारियों ने बस जब्त की थी, उनकी पहचान और जवाबदेही किस तरह तय होती है? सरकारी अभिरक्षा में बस से गायब हुए सामान के संबंध में क्या कार्रवाई होती है? और सबसे अहम,इस पूरे घटनाक्रम में हुई लापरवाही का आर्थिक बोझ आखिर किस पर पड़ेगा? फिलहाल 30 नवंबर 2026 की सुनवाई इस मामले की अगली महत्वपूर्ण कड़ी होगी,अब परिवहन विभाग को केवल आदेश के अनुपालन की जानकारी ही नहीं देनी है,बल्कि यह भी बताना है कि बस किसने जब्त की,किस आधार पर की,सरकारी अभिरक्षा में उसकी सुरक्षा कैसे प्रभावित हुई और जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध क्या कदम उठाए गए,हाईकोर्ट की सख्त निगरानी के बीच अब विभाग की जवाबदेही से जुड़े इन सवालों का जवाब सामने आना बाकी है।

### हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी : अधिकारी स्पष्ट रूप से दोषपूर्ण, कार्रवाई मनमाने तरीके से की गई

4 नवंबर 2026 के आदेश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह है, जिसमें न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की है, आदेश के पैरा 4 में अदालत ने कहा कि बस जब्त किए जाने और चालान जारी होने के बाद अधिकारियों की अभिरक्षा में रही, निरीक्षण के दौरान बस से सामान गायब होने की बात सामने आई, जिसे विवादित नहीं किया जा सकता, न्यायालय ने अतिरिक्त सीटों के आरोप को लेकर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की, अदालत के अनुसार, जब बस को जब्त किया गया था, तब उसकी मूल स्थिति को साक्ष्य के रूप में सुरक्षित नहीं रखा गया, ऐसी स्थिति में अधिकारी अतिरिक्त सीटों के आरोप को प्रमाणित नहीं कर सकते, न्यायालय ने कहा कि संबंधित अधिकारी स्पष्ट रूप से दोषपूर्ण हैं और उन्होंने मनमाने तरीके से कार्रवाई की, जिसमें अनुचित मंशा का संकेत मिलता है, अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन वाहन की सुरक्षित अभिरक्षा के संबंध में नहीं किया गया, यह टिप्पणी महज प्रशासनिक प्रक्रिया की कमी की ओर संकेत नहीं करती, बल्कि सरकारी अभिरक्षा में रखे वाहन की सुरक्षा और कार्रवाई करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही को भी केंद्र में लाती है। जिस विभाग के पास कानून लागू कराने की जिम्मेदारी है, उसी की अभिरक्षा में वाहन से सामान गायब होने का मामला न्यायालय के सामने आया। ऐसे में विभागीय जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है।

# शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणामों में सुधार को लेकर कलेक्टर सख्त

## त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक लेकर सुधार के दिए निर्देश

-संवाददाता-

**सूरजपुर 06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति एवं बोर्ड परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा बैठक ली, बैठक में उन्होंने विद्यालयवार परीक्षा परिणामों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों तथा छात्रावासों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं प्राचार्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने विद्यालयों में विद्यार्थियों की अपेक्षाकृत कम उपस्थिति एवं शिक्षकों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की,उन्होंने सभी प्राचार्यों को विद्यालयों में अनुशासन एवं शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए अपने प्रशासनिक अधिकारों का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करें तथा शिक्षकों की नियमित उपस्थिति की सतत



निगरानी करें, कलेक्टर ने परीक्षा की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक अवकाश पर नियंत्रण रखने के भी निर्देश दिए,कलेक्टर ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले विद्यालयों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गत वर्ष की तुलना में परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार के लिए प्रत्येक सप्ताह टेस्ट सीरीज आयोजित करने तथा उसके परिणामों का नियमित विश्लेषण करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिरिक्त कक्षाओं एवं विशेष शिक्षण गतिविधियों के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आगामी समीक्षा बैठक में विद्यालयवार प्रगति परिलक्षित होनी चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने परीक्षा साथी पोर्टल पर विद्यार्थियों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने



कहा कि पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क शैक्षणिक कक्षाओं एवं अध्ययन सुविधाओं का अधिकाधिक विद्यार्थियों को लाभ दिलाएं, साथ ही उन्होंने उल्लास कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, कलेक्टर श्रीमती जमील ने छात्रावासों में स्वीकृत सीटों, विद्यार्थियों के प्रवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता,स्वच्छता एवं विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए,उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षिकाओं का छात्रावास परिसर में ही निवास करना अनिवार्य है,विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए,उन्होंने संबंधित अधिकारियों को छात्रावासों की नियमित निगरानी करने तथा प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए प्राचार्यों,शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा,उन्होंने आगामी समीक्षा बैठक तक सभी विद्यालयों में शैक्षणिक प्रदर्शन,विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं परीक्षा परिणामों में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए,बैठक में संयुक्त कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा, डिप्टी कलेक्टर यशंवत देवांगन सहित संबंधित अधिकारीगण एवं प्राचार्य उपस्थित थे।




>> भाजपा को घुसपैठ की चिंता, कांग्रेस को वोट चोरी का सवाल; संविधान बचाने की सियासी जंग में आम मतदाता की आवाज कहां? <<

# सत्ता भी सड़क पर,विपक्ष भी सड़क पर...आखिर लोकतंत्र को खतरा किससे है?

## लोकतंत्र बचाने की होड़ में सत्ता-विपक्ष आमने-सामने,हाशिए पर खड़ा मतदाता!

### भाजपा को घुसपैठ की चिंता,कांग्रेस को वोट चोरी का सवाल...लोकतंत्र की चिंता में जनता कहां?




**दोनों के हाथ में संविधान,दोनों सड़क पर...फिर लोकतंत्र खतरे में किससे?**

**सत्ता का नारा 'घुसपैठ',विपक्ष का नारा 'वोट चोरी'...लोकतंत्र की लड़ाई में मतदाता ही उलझन में!**

**लोकतंत्र बचाने निकले सत्ताधारी और विपक्षी, लेकिन जनता पूछ रही—हमारी परेशानी कौन देखेगा?**

**संविधान बचाने की सियासी जंग तेज, सवालों के घेरे में सत्ता और विपक्ष दोनों!**

**लोकतंत्र बचाने के नाम पर सियासी शक्ति प्रदर्शन, जनता की राह रोककर किसकी रक्षा हो रही?**

**सत्ता को घुसपैठ का डर,विपक्ष को वोट चोरी का...लोकतंत्र की चिंता या सियासत का नया अखाड़ा?**

**संसद से सड़क तक लोकतंत्र की दुहाई, फिर जनता के सवालों का जवाब कौन देगा?**

**लोकतंत्र का रक्षक कौन और खतरा किससे? सत्ता-विपक्ष के दावों के बीच मतदाता मौन!**

**संविधान की दुहाई दोनों तरफ,जवाबदेही की बारी आई तो कौन खड़ा होगा?**

**भाजपा को घुसपैठ की चिंता,कांग्रेस को वोट चोरी का सवाल, संविधान बचाने की सियासी जंग में आम मतदाता की आवाज कहां गुम हो गई?**

-रवि सिंह-

**कोरिया,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

देश की राजनीति में इन दिनों एक ऐसा दृश्य सामने है, जो अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है,सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी भी लोकतंत्र बचाने के नाम पर सड़कों पर उतर रही है और विपक्ष में बैठी कांग्रेस भी लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन कर रही है, भाजपा का आरोप है कि घुसपैठियों को बचाने के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का विरोध किया जा रहा है, वहीं कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों को लेकर जनता के बीच जा रही है, एक तरफ घुसपैठ का मुद्दा है, दूसरी तरफ वोट चोरी का सवाल,दोनों राजनीतिक खेमों के अपने-अपने तर्क हैं,अपने-अपने आरोप हैं और दोनों ही लोकतंत्र को खतरे में बताते हुए उसकी रक्षा का दावा कर रहे हैं।

लेकिन इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम के बीच एक सवाल सबसे बड़ा है की जब सत्ता पक्ष भी लोकतंत्र बचाने निकला है और विपक्ष भी लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर है,तो आखिर देश के लोकतंत्र को खतरा किससे है? क्या लोकतंत्र को खतरा घुसपैठियों से है, चुनावी प्रक्रिया की कथित गड़बड़ियों से है, राजनीतिक दलों के आपसी अविश्वास से है या फिर उस राजनीतिक कार्यशैली से है,जिसमें जनता के नाम पर राजनीति तो होती है,लेकिन जनता ही सबसे अधिक परेशान होती है? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी केवल किसी एक राजनीतिक दल की नहीं है,सत्ता पक्ष और विपक्ष,दोनों को लोकतांत्रिक व्यवस्था ने अलग-अलग भूमिकाएं सौंपी हैं,जनता ने सत्ता पक्ष को सरकार चलाने का दायित्व दिया है और विपक्ष को सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने, गलतियों को उजागर करने तथा जनता की आवाज बनने की जिम्मेदारी दी है, लेकिन जब दोनों ही पक्ष लोकतंत्र की रक्षा का दावा करते हुए सड़कों पर आमने-सामने खड़े दिखाई देते हैं, तब यह पूछना जरूरी हो जाता है कि आखिर सदन और संसद की भूमिका कहां रह गई?

**लोकतंत्र बचाने का दावा,लेकिन जनता की परेशानी कौन देखेगा?-** राजनीतिक दलों के लिए रैली निकालना, पदयात्रा करना,धरना देना और प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, किसी भी सरकार या राजनीतिक दल की नीतियों का विरोध करना नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है,लेकिन विरोध और प्रदर्शन के नाम पर आम नागरिकों की जिंदगी को कितनी परेशानी में डाला जा रहा है,यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है,जब शहर की सड़कों पर विशाल रैलियां निकलती हैं, यातायात प्रभावित होता है,बाजारों तक पहुंच बाधित होती है,मरीजों को अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है और रोज कमाकर खाने वाले लोगों का काम प्रभावित होता है,तब इन परिस्थितियों की जिम्मेदारी कौन लेता है? राजनीतिक दलों के मंच से लोकतंत्र बचाने के नारे गूंजते हैं, लेकिन उसी दौरान आम नागरिक अपने जरूरी कामों के लिए रास्ता तलाशता नजर आता है, क्या लोकतंत्र की रक्षा का अर्थ केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन रह गया है? क्या जनता ने अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुना है कि वे उसके रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करते हुए सड़कों पर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाएं? क्या राजनीतिक दलों के लिए यह जरूरी नहीं कि विरोध दर्ज कराते समय आम नागरिकों के अधिकारों और सुविधाओं का भी ध्यान रखें? यह बात किसी एक दल पर लागू नहीं होती, भाजपा हो या कांग्रेस, सत्ता पक्ष हो या विपक्ष–लोकतांत्रिक अधिकारों के साथ सार्वजनिक जिम्मेदारियां भी जुड़ी हुई हैं, शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र की ताकत है,लेकिन आम नागरिकों की परेशानी को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक आंदोलन की उपलब्धि नहीं हो सकती।

**सत्ता की जिम्मेदारी अधिक,विपक्ष की जवाबदेही भी कम नहीं-** सत्ता और विपक्ष की जिम्मेदारियां एक जैसी नहीं हैं,सत्ता पक्ष के पास शासन चलाने और नीतियों को लागू करने की शक्ति होती है,इसलिए उससे अपेक्षा भी अधिक होती है, उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निर्वाचन व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा बना रहे, यदि किसी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो सरकार और संबंधित संस्थाओं को तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए, न कि हर सवाल को केवल राजनीतिक विरोध बताकर खारिज कर देना चाहिए, दूसरी ओर विपक्ष की भूमिका भी केवल आरोप लगाने तक सीमित नहीं हो सकती। यदि कांग्रेस वोट चोरी का आरोप लगा रही है तो उसे अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेज, आंकड़े और प्रमाण सामने रखने चाहिए,निर्वाचन प्रक्रिया में किसी गड़बड़ी का दावा है तो उसके निराकरण के लिए उपलब्ध संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाओं का उपयोग भी होना चाहिए, इसी तरह भाजपा यदि घुसपैठ और अपात्र मतदाताओं का मुद्दा उठा रही है तो उसे भी यह स्पष्ट करना होगा कि किन तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं,किसी भी नागरिक का मताधिकार प्रभावित न हो और किसी अपात्र व्यक्ति को अनुचित लाभ न मिले, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है, राजनीति में आरोप लगाना आसान है, लेकिन प्रमाण के साथ जवाब देना और व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करना वास्तविक जिम्मेदारी है।

**क्या लोकतंत्र की लड़ाई में मतदाता ही सबसे कमजोर कड़ी बन गया है?-** इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण पक्ष उस आम मतदाता का है,जिसके नाम पर राजनीति की जा रही है,कभी उसे घुसपैठ का खतरा बताया जाता है, कभी वोट चोरी की आशंका दिखाई जाती है, कभी उसे लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर बुलाया जाता है,तो कभी राजनीतिक रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जाता है, लेकिन उस मतदाता की अपनी चिंता क्या है? वह चाहता है कि मतदाता सूची में उसका नाम सही हो,मतदान केंद्र पर उसे किसी परेशानी का सामना न करना पड़े,उसका वोट किसी अन्य के नाम से दर्ज न हो और चुनाव प्रक्रिया पर उसका विश्वास बना रहे,वह यह भी चाहता है कि चुनाव के बाद उसके प्रतिनिधि उसके क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करें, मतदाता को राजनीतिक दलों के बीच चल रही बहस का केवल दर्शक या भीड़ का हिस्सा बनाकर नहीं छोड़ा जा सकता,लोकतंत्र में मतदाता सबसे महत्वपूर्ण है, उसकी पहचान, उसका मत और उसका विश्वास ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है,यदि मतदाता सूची में गड़बड़ी है तो उसे दूर किया जाए। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गायब है तो उसे जोड़ा जाए,यदि किसी व्यक्ति की पहचान गलत दर्ज हुई है तो सुधार किया जाए। यदि घुसपैठ का प्रमाण है तो कानून के अनुसार कार्रवाई हो, लेकिन इन सभी मुद्दों को राजनीतिक नारों की भेंट चढ़ाकर वास्तविक समाधान से दूर नहीं किया जाना चाहिए।

**संविधान किसी दल का नहीं,पूरे देश का है-** आज संविधान और लोकतंत्र का नाम दोनों राजनीतिक खेमों के भाषणों में सुनाई दे रहा है,सत्ता पक्ष भी संविधान और राष्ट्रहित की बात कर रहा है, विपक्ष भी संविधान और मताधिकार की रक्षा का दावा कर रहा है,लेकिन संविधान की रक्षा केवल भाषणों और नारों से नहीं होती,इसकी रक्षा तब होती है जब सत्ता अपने अधिकारों का उपयोग संवैधानिक सीमाओं में रहकर करती है,विपक्ष जिम्मेदारी के साथ सवाल उठाता है,संस्थाएं निष्पक्ष होकर काम करती हैं और नागरिकों के अधिकार सुरक्षित रहते हैं,संविधान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं है, सत्ता बदल सकती है,विपक्ष बदल सकता है,सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाएं देश की स्थायी व्यवस्था का आधार हैं,इसलिए संविधान की रक्षा के नाम पर होने वाली राजनीति को भी संविधान की कसौटी पर परखा जाना चाहिए,लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता से सवाल पूछे जा सकते हैं और विपक्ष से भी जवाब मांगा जा सकता है, असहमति को देशविरोध या राजनीतिक दुश्मनी का रूप देने के बजाय तथ्यों और तर्कों से उसका जवाब दिया जाना चाहिए।

**जनता का सवाल—लोकतंत्र बचाने निकले हैं तो पहले जनता का भरोसा बचाइए-** आज देश की जनता के सामने दो बड़े राजनीतिक संदेश हैं, भाजपा कह रही है कि घुसपैठियों को बचाने की कोशिश हो रही है और एसआईआर का विरोध इसी राजनीति का हिस्सा है, कांग्रेस कह रही है कि वोट चोरी के जरिए लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट की जा रही है, इन दोनों दावों की सच्चाई का फैसला राजनीतिक नारों से नहीं,बल्कि प्रमाणों और निष्पक्ष जांच से होना चाहिए,लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच एक तीसरा पक्ष भी है, जो शायद सबसे अधिक महत्वपूर्ण है–वह आम नागरिक,जो न तो सत्ता में है और न ही विपक्ष में, वह केवल मतदाता है,वह अपने प्रतिनिधियों से जवाबदेही चाहता है,अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है और ऐसी व्यवस्था चाहता है जिसमें उसका मत,उसकी पहचान और उसका सम्मान सुरक्षित रहे, इसलिए सवाल सिर्फ इतना नहीं कि भाजपा और कांग्रेस में से कौन लोकतंत्र बचाने के लिए सड़क पर उतरा है,बड़ा सवाल यह है कि लोकतंत्र बचाने का दावा करने वाले राजनीतिक दल अपने व्यवहार में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का कितना पालन कर रहे हैं? क्या वे जनता के अधिकारों को अपनी राजनीतिक रणनीति से ऊपर रख पा रहे हैं? क्या वे अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ साबित करने और संस्थाओं के माध्यम से समाधान खोजने को तैयार हैं? एक तरफ सत्ता पक्ष कह रहा है कि घुसपैठ से लोकतंत्र खतरे में है,दूसरी तरफ विपक्ष कह रहा है कि वोट चोरी से लोकतंत्र खतरे में है। दोनों की चिंता यदि वास्तव में लोकतंत्र है,तो फिर आम मतदाता को यह भरोसा कौन दिलाएगा कि उसका वोट सुरक्षित है,उसकी पहचान सुरक्षित है और उसकी आवाज सत्ता तथा विपक्ष दोनों के लिए महत्वपूर्ण है? क्योंकि लोकतंत्र को बचाने की सबसे बड़ी परीक्षा सड़कों पर निकाली गई रैलियों में नहीं,बल्कि उस दिन होती है जब एक आम नागरिक बिना किसी भय, दबाव और भ्रम के अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सके और उसके चुने हुए प्रतिनिधि चुनाव के बाद भी उसके प्रति जवाबदेह बने रहें, लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सत्ता और विपक्ष दोनों सड़क पर हैं,लेकिन जनता का सवाल अब भी वहीं खड़ा है–जिस लोकतंत्र को बचाने का दावा किया जा रहा है,उसमें आम मतदाता की जगह आखिर कहां है?

### एक तरफ घुसपैठ का मुद्दा, दूसरी तरफ वोट चोरी का आरोप-

भाजपा देशभर में घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए एसआईआर के समर्थन में आंदोलन और जनजागरण कर रही है, उसका तर्क है कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण आवश्यक है और उसमें किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम नहीं होना चाहिए, भाजपा के अनुसार एसआईआर का विरोध घुसपैठियों को संरक्षण देने की राजनीति से जुड़ा हुआ है, दूसरी ओर कांग्रेस मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों, मताधिकार के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए वोट चोरी का मुद्दा उठा रही है, कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी तरह की गड़बड़ी लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है, यहां सवाल यह नहीं है कि किस दल का आरोप राजनीतिक रूप से कितना प्रभावी है, सवाल यह है कि दोनों पक्ष अपने दावों को कितने ठोस तथ्यों के साथ जनता के सामने रख रहे हैं, यदि मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हैं तो उनकी पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए, यदि किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है, किसी की पहचान बदल गई है या उसका मताधिकार प्रभावित हुआ है, तो उसका भी तत्काल सुधार होना चाहिए, आखिर मतदाता सूची किसी राजनीतिक दल का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार का आधार है, इसमें त्रुटि किसी भी पक्ष के लिए राजनीतिक मुद्दा भर नहीं हो सकती, एक गलत नाम का समावेश जितना गंभीर है, उतना ही गंभीर किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से हटना भी है, इसलिए इस पूरे मामले का समाधान आरोपों की राजनीति से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, प्रमाण और निष्पक्ष प्रक्रिया से होना चाहिए।

### जनता ने सदन में आवाज उठाने के लिए चुना, सड़क पर शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं-

देश की जनता जब मतदान करती है तो वह केवल किसी व्यक्ति को नहीं चुनती, बल्कि उसे अपनी आवाज और अपने अधिकारों का प्रतिनिधि बनाती है, जनता उम्मीद करती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि संसद और विधानसभा में उसके मुद्दों को उठाएंगे, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, किसानों की समस्याएं, भ्रष्टाचार और स्थानीय विकास जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे, लेकिन राजनीतिक परिदृश्य में कई बार ऐसा लगता है कि सदन और संसद में होने वाली बहस से अधिक ऊर्जा सड़कों पर होने वाले शक्ति प्रदर्शन में खर्च की जा रही है, सत्ता पक्ष अपने निर्णयों और नीतियों के समर्थन में रैलियां निकालता है तो विपक्ष उन्हीं नीतियों के विरोध में सड़क पर उतरता है, दोनों अपने समर्थकों की संख्या और नारों की गूंज को राजनीतिक ताकत के रूप में प्रस्तुत करते हैं, लेकिन क्या किसी रैली में उमड़ी भीड़ लोकतंत्र की मजबूती का अंतिम प्रमाण है? क्या किसी प्रदर्शन में लगे नारे किसी आरोप को स्वत: सत्य बना देते हैं? और क्या किसी राजनीतिक दल के विरोध में सड़क पर उतरने मात्र से लोकतंत्र की रक्षा हो जाती है? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्यांकन रैली की भीड़ से नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों की सुरक्षा, संस्थाओं की निष्पक्षता, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और शासन की पारदर्शिता से होना चाहिए।






# धनतेरस पर बाजारों में बरसी लक्ष्मी,

## रौनक के बीच ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुस्ती ने रोकी कारोबार की रफ्तार

# बाजार में भीड़ तो थी,लेकिन हर ग्राहक की जेब में खरीदारी की ताकत नहीं थी

## धनतेरस पर सजे बाजार,उमड़ी खरीदारों की भीड़,मजदूरी और धान खरीदी की सुस्ती से ग्रामीण कारोबार फीका

## बैकुंठपुर से पटना तक धनतेरस की धूम,कहीं वाहनों की बुकिंग तो कहीं बर्तनों की खरीदारी

**शुभ मुहूर्त में बाजारों में उमड़ी भीड़,व्यापारियों को करोड़ों के कारोबार की उम्मीद**

**त्योहार की चमक बाजारों में दिखी, लेकिन किसानों-मजदूरों की खाली जेब ने फीकी की खरीदारी**

**धनतेरस पर बाजार गुलजार,मगर ग्रामीण जेबों में नकदी की कमी से कारोबार को अपेक्षित रफ्तार नहीं**

**बैकुंठपुर,पटना और सोनहत में दिखी त्योहारी रौनक,कहीं वाहन-आभूषण की खरीदारी तो कहीं जरूरतों तक सिमटा बाजार**

**मजदूरी भुगतान अटकने और धान खरीदी शुरू नहीं होने का दिखा असर**

-रवि सिंह-

**बैकुंठपुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

धनतेरस का दिन व्यापारियों के लिए केवल एक त्योहार नहीं,बल्कि पूरे साल की कारोबारी उम्मीदों से जुड़ा विशेष अवसर होता है, दीपावली से पहले आने वाला यह पर्व आस्था, परंपरा और बाजार की आर्थिक गतिविधियों का ऐसा संगम है, जिसका इंतजार छोटे दुकानदार से लेकर बड़े प्रतिष्ठान और वाहन शोरूम तक करते हैं,मान्यता के अनुसार धनतेरस पर शुभ मुहूर्त में सोना-चांदी,बर्तन,वाहन,इलेक्ट्रॉनिक सामान और घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है,यही वजह है कि आर्थिक स्थिति चाहे जैसी हो,हर परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस दिन कुछ न कुछ खरीदने की कोशिश करता है, किसी के लिए सोने-चांदी के आभूषण खरीदना समृद्धि का प्रतीक है, तो किसी के लिए घर की जरूरत का एक बर्तन, कपड़ा या छोटा घरेलू सामान खरीदना ही धनतेरस की खुशियों को पूरा कर देता है। कोरिया जिले में भी धनतेरस के अवसर पर बैकुंठपुर,पटना और सोनहत सहित प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में बाजारों की रौनक देखने को मिली। सुबह से ही दुकानों के सामने ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी,बाजारों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था,ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदारों ने विशेष तैयारियां कीं और कई प्रतिष्ठानों में छूट तथा उपहार योजनाएं भी रखी गईं,इलेक्ट्रॉनिक्स,कपड़ा,बर्तन,फर्नीचर,सोने-चांदी के आभूषण और दोपहिया वाहनों की दुकानों में खरीदारी का माहौल रहा,हालांकि बाजार में दिखाई देने वाली भीड़ के बीच कारोबार की वास्तविक तस्वीर कुछ अलग भी रही, जिला मुख्यालय में जहां खरीदारी का उत्साह अपेक्षाकृत बेहतर नजर आया,वहीं ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर क्षेत्रों में मजदूरी भुगतान लंबित रहने और धान खरीदी शुरू नहीं होने के कारण लोगों की क्रयशक्ति प्रभावित हुई। इसका असर बाजार की खरीदारी पर भी दिखाई दिया।

**बैकुंठपुर में सजा मुख्य बाजार,वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में भी रौनक-** जिला मुख्यालय बैकुंठपुर का मुख्य बाजार धनतेरस पर आकर्षक ढंग से सजा नजर आया। दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों को रोशनी और सजावट से तैयार किया था, सुबह से ही परिवार के साथ लोग बाजार पहुंचने लगे,कपड़े,बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स,फर्नीचर,घरेलू उपयोग की वस्तुओं और आभूषणों की दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही बनी रही,ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई दुकानदारों ने विशेष छूट और उपहार योजनाएं रखीं,त्योहारी खरीदारी को ध्यान में रखते हुए प्रतिष्ठानों में सामान का अतिरिक्त स्टॉक भी उपलब्ध कराया गया था,दोपहिया वाहन शोरूम में भी ग्राहकों की अच्छी आवाजाही देखने को मिली,जिले के प्रमुख हीरो,बजाज,होंडा और टीवीएस शोरूम में धनतेरस को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं, शुभ मुहूर्त में वाहन की डिलीवरी लेने के लिए ग्राहक शोरूम पहुंचे,वाहन खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है,इसलिए धनतेरस पर शोरूम संचालकों को अच्छे कारोबार की उम्मीद रहती है, बैकुंठपुर का व्यापार केवल जिला मुख्यालय तक सीमित नहीं है,आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग खरीदारी के लिए यहां पहुंचते हैं,ऐसे में धनतेरस का कारोबार स्थानीय बाजार के साथ आसपास के ग्रामीण उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति से भी जुड़ा रहता है।

**पटना का बाजार भी बना ग्रामीण व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र-** पटना क्षेत्र जिले के प्रमुख कारोबारी क्षेत्रों में गिना जाता है, आसपास के गांवों और ग्रामीण अंचलों के लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर त्योहार की खरीदारी तक के लिए यहां के बाजार पर निर्भर रहते हैं,धनतेरस पर पटना के व्यापारियों को भी ग्राहकों की आवाजाही और अच्छी बिक्री की उम्मीद रहती है,क्षेत्र में कृषि आधारित गतिविधियों और आसपास की आर्थिक गतिविधियों का असर बाजार पर दिखाई देता है, पटना जैसे बाजारों की विशेषता यह है कि यहां बड़े प्रतिष्ठानों के साथ छोटे दुकानदारों का कारोबार भी ग्रामीण ग्राहकों पर निर्भर रहता है, कपड़ा,किराना,बर्तन,इलेक्ट्रॉनिक्स,कृषि उपयोग की वस्तुएं और घरेलू सामान बेचने वाले व्यापारियों के लिए त्योहार का समय महत्वपूर्ण होता है,लेकिन जब ग्रामीण परिवारों के पास मजदूरी या कृषि उपज की बिक्री से मिलने वाली राशि समय पर नहीं पहुंचती,तो खरीदारी का बजट भी प्रभावित होता है, इस बार ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित नकदी उपलब्ध नहीं होने की स्थिति ने बाजार की रफ्तार को कुछ हद तक प्रभावित किया।

**मजदूरी भुगतान लंबित,तो त्योहार की खरीदारी पर कैसे आएगी तेजी?-** ग्रामीण बाजार की वास्तविक ताकत मजदूर,किसान और छोटे आय वर्ग के उपभोक्ता होते हैं, यही वर्ग कपड़े,बर्तन,किराना,घरेलू उपयोग की वस्तुओं और अन्य जरूरी सामान की नियमित खरीदारी करता है,त्योहार के समय जब इन परिवारों के हाथ में अतिरिक्त पैसा आता है,तो बाजार में मांग बढ़ती है,लेकिन यदि मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं हो,तो त्योहार की तैयारी भी प्रभावित होती है,जिले के कई क्षेत्रों में मजदूरी भुगतान लंबित रहने की बात सामने आई है। विशेषकर वनांचल क्षेत्रों में मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए समय पर भुगतान नहीं मिलना आर्थिक परेशानी बढ़ाता है,देवगढ़ रेंज क्षेत्र में भी मजदूरी भुगतान रुकने का असर स्थानीय परिवारों की आर्थिक स्थिति पर बताया जा रहा है, ऐसे परिवारों के लिए त्योहार पर नए कपड़े,घरेलू सामान या अन्य जरूरी वस्तुएं खरीदना कठिन हो जाता है,यह स्थिति केवल संबंधित परिवारों तक सीमित नहीं रहती,बल्कि इसका असर स्थानीय दुकानदारों के कारोबार पर भी पड़ता है,मजदूर के हाथ में पैसा पहुंचेगा तभी वह बाजार में खर्च कर पाएगा,जब भुगतान अटकता है, तो बाजार में खरीदारी की मांग भी कमजोर पड़ती है,इस लिहाज से मजदूरी भुगतान का मुद्दा केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि ग्रामीण बाजार और स्थानीय व्यापार की गति से भी जुड़ा हुआ है।

**धान खरीदी शुरू नहीं होने से किसानों ने भी रोका खर्च-** धनतेरस पर ग्रामीण बाजारों में खरीदारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने का एक प्रमुख कारण धान खरीदी शुरू नहीं होना भी माना जा रहा है, खेती-किसानी पर निर्भर परिवारों के लिए धान बिक्री से मिलने वाली राशि त्योहार और घरेलू जरूरतों के खर्च का महत्वपूर्ण आधार होती है,किसान अपनी उपज बेचकर मिलने वाली रकम से घर की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ कपड़े, बर्तन,इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य सामान खरीदने की योजना बनाते हैं, लेकिन जब धान खरीदी शुरू नहीं होती,तब किसानों के हाथों में अपेक्षित नकदी नहीं पहुंच पाती,ऐसे में वे बड़ी खरीदारी करने से बचते हैं और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार ही खर्च करते हैं,इसका असर ग्रामीण बाजारों के कारोबार पर पड़ना स्वाभाविक है,बाजार में खरीदारी की इच्छा होने के बावजूद जेब में पैसा नहीं होना सबसे बड़ी बाधा बन जाता है।

**बाजार में भीड़ और बिक्री के बीच अंतर समझना जरूरी-** धनतेरस पर बाजारों में भीड़ दिखाई देना स्वाभाविक है,लेकिन भीड़ को ही कारोबार की सफलता का पूरा पैमाना नहीं माना जा सकता। किसी बाजार में ग्राहकों की आवाजाही अधिक हो सकती है,लेकिन वास्तविक बिक्री का स्तर उनकी क्रयशक्ति पर निर्भर करता है, बड़े प्रतिष्ठानों में महंगे सामान की खरीदारी और छोटे दुकानदारों के यहां सीमित बजट की खरीदारी–दोनों बाजार की अलग-अलग तस्वीर पेश करते हैं,इस बार भी जिले के प्रमुख बाजारों में रौनक रही, लेकिन ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति ने खरीदारी के स्वरूप को प्रभावित किया,जहां कुछ लोगों ने वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और आभूषणों की खरीदारी की,वहीं बड़ी संख्या में परिवारों ने अपनी जरूरत और बजट के अनुसार ही खर्च किया,इसलिए व्यापारियों के लिए त्योहार की भीड़ के साथ वास्तविक बिक्री और पिछले वर्षों की तुलना भी महत्वपूर्ण होगी।

**त्योहारी भीड़ के बीच यातायात व्यवस्था बनी चुनौती-** बैकुंठपुर के मुख्य बाजार में धनतेरस की खरीदारी के दौरान लोगों और वाहनों की आवाजाही बढ़ने से यातायात व्यवस्था भी चुनौतीपूर्ण रही,मुख्य मार्गों पर वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ सड़क किनारे बेतरतीब पार्किंग और फुटपाथों पर अस्थायी दुकानें लगने से कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी,बाजार पहुंचने वाले ग्राहकों,वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा, त्योहारी सीजन में बाजार क्षेत्र में यातायात नियंत्रण, व्यवस्थित पार्किंग और पैदल चलने वालों के लिए पर्याप्त जगह सुनिश्चित करना जरूरी है, खरीदारी के उत्साह के बीच यदि लोगों को जाम और अव्यवस्था से जूझना पड़े, तो बाजार की रौनक के साथ असुविधा भी बढ़ जाती है।

**व्यापारियों को दीपावली के शेष दिनों से उम्मीद-** कुल मिलाकर धनतेरस पर बैकुंठपुर, पटना और सोनहत सहित जिले के प्रमुख बाजारों में त्योहारी माहौल रहा,व्यापारियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष तैयारियां कीं और बाजारों में खरीदारी की आवाजाही बनी रही, जिला मुख्यालय में कारोबार की स्थिति बेहतर रही,जबकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर क्षेत्रों में मजदूरी भुगतान और धान खरीदी से जुड़ी परिस्थितियों का असर दिखाई दिया, अब व्यापारियों की उम्मीद दीपावली के शेष दिनों की खरीदारी पर टिकी है, लेकिन इस धनतेरस ने एक बार फिर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बाजार के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है,बाजार की चमक केवल दुकानों की सजावट,रोशनी और ग्राहकों की भीड़ से नहीं आती,बल्कि लोगों की जेब में उपलब्ध क्रयशक्ति से आती है,मजदूर को उसकी मजदूरी समय पर मिले,किसान को अपनी उपज बेचने का अवसर मिले और ग्रामीण परिवारों के हाथ में पैसा पहुंचे,तभी त्योहार की रौनक का लाभ छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारी तक सभी को मिल सकेगा।

### सालभर के इंतजार का दिन... हर व्यापारी की निगाह धनतेरस पर...

व्यापारिक दृष्टि से धनतेरस का महत्व इसलिए भी खास है,क्योंकि इस दिन बाजार में लगभग हर वर्ग के ग्राहक पहुंचते हैं, बड़े कारोबारी महंगे सामान की बिक्री की उम्मीद करते हैं तो छोटे दुकानदार भी अपनी दुकान पर ग्राहकों की अच्छी संख्या आने की प्रतीक्षा करते हैं, दीपावली के लिए कपड़े, बर्तन,सजावटी सामान, मिठाई,इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी इसी दिन से तेज होती है,धनतेरस पर खरीदारी का स्वरूप हर परिवार की आर्थिक स्थिति के अनुसार अलग-अलग होता है, आर्थिक रूप से सक्षम परिवार सोने-चांदी, वाहन और महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करते हैं,जबकि सीमित आय वाले परिवार अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बर्तन,कपड़े या घरेलू उपयोग की छोटी वस्तुएं खरीदते हैं,बाजार की पूरी अर्थव्यवस्था इसी अलग-अलग क्रयशक्ति वाले ग्राहक वर्ग पर निर्भर रहती है,यही कारण है कि धनतेरस के दिन केवल बड़े प्रतिष्ठानों की बिक्री ही नहीं,बल्कि छोटे दुकानदारों की कमाई भी महत्वपूर्ण होती है।

### सोनहत में कृषि और एसईसीएल से जुड़ी गतिविधियों का बाजार पर असर

सोनहत क्षेत्र में भी धनतेरस पर बाजार में सामान्य त्योहारी रौनक रही, यहां की आर्थिक गतिविधियों में कृषि और एसईसीएल से जुड़ी गतिविधियों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है, ग्रामीण परिवारों की खरीदारी काफी हद तक खेती-किसानी,मजदूरी और उपलब्ध नकदी पर निर्भर करती है,इस बार धान खरीदी शुरू नहीं होने और मजदूरी भुगतान में देरी के कारण कई परिवारों ने अपनी खरीदारी जरूरत तक सीमित रखी, स्थानीय दुकानदारों को त्योहार के अवसर पर बेहतर कारोबार की उम्मीद रहती है, लेकिन जब ग्रामीण ग्राहकों के पास पर्याप्त पैसा उपलब्ध नहीं होता,तो बाजार में भीड़ होने के बावजूद बिक्री अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाती,सोनहत में भी कारोबार अपेक्षाकृत औसत रहने की बात सामने आई,लोगों ने अपनी आस्था और आर्थिक क्षमता के अनुसार खरीदारी की,लेकिन बड़ी खरीदारी करने से कई परिवारों ने परहेज किया।

---

## दीपावली के एक दिन पूर्व जिलेभर में मनाया जाएगा 'एक दीप साक्षरता का' अभियान

-संवाददाता-

**सूरजपुर,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2026-27 में प्रदेश को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य के साथ उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, इसी क्रम में समाज में साक्षरता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा असाक्षर वयस्कों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से दीपावली के ठीक एक दिन पूर्व सूरजपुर जिले में 'एक दीप साक्षरता का' जनजागरूकता अभियान आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में इस विशेष अभियान के अंतर्गत दीपावली की पूर्व संध्या पर सायं 06:30 बजे से 07:30 बजे तक जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों,छात्रावासों, विकासखंड कार्यालयों एवं उल्लास साक्षरता केंद्रों में दीप प्रज्ज्वलित कर साक्षरता का संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय द्वारा साक्षरता की शपथ भी ली जाएगी, कार्यक्रम के माध्यम से उल्लास एप पर पंजीकृत स्वयंसेवी शिक्षकों एवं असाक्षर व्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा तथा शिक्षा के महत्व, साक्षरता के लाभ एवं प्रत्येक व्यक्ति



को शिक्षित बनाने के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, जिला प्रशासन ने जिले के समस्त नागरिकों,जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों,स्वयंसेवकों एवं सामाजिक संगठनों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की है, ताकि दीपावली का पर्व केवल रोशनी का ही नहीं,बल्कि ज्ञान, शिक्षा और जागरूकता का पर्व भी बन सके। इस दीपावली एक दीप साक्षरता के नाम जलाएं और शत-प्रतिशत साक्षर छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपना योगदान दें।

---

## धान बेचने की दूरी होगी कम,तीन नए उपार्जन केंद्रों से 2,271 किसानों को राहत

# कोरिया में अब 21 सहकारी समितियों के अंतर्गत 24 खरीदी केंद्र, 10 नवंबर से ऑनलाइन टोकन,15 नवंबर से धान खरीदी

### कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने की तैयारियों की समीक्षा,किसानों की सुविधाओं और पारदर्शी खरीदी पर दिया निर्देश...

-संवाददाता-

**कोरिया,06 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कोरिया जिले के किसानों को अपने नजदीक धान बेचने की सुविधा मिलेगी,बड़गांव,मनसुख और पीपरडांड में तीन नए धान उपार्जन केंद्र खुलने से 2,271 किसानों को राहत मिलेगी। इससे धान परिवहन में लगने वाले समय और खर्च की बचत होगी,जिले में अब 21 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत कुल 24 धान उपार्जन केंद्र संचालित होंगे। धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी, जबकि ऑनलाइन टोकन 10 नवंबर से जारी किए जाएंगे,कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा की। खाद्य,सहकारिता,कृषि,मार्कफेड एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक में उन्होंने पारदर्शी एवं व्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित करने के




निर्देश दिए। किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदा जाएगा।

**केंद्रों में पेयजल, छाया और पर्याप्त बारदाने की व्यवस्था के निर्देश-** कलेक्टर ने सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों के लिए पेयजल, छाया, बैठने सहित आवश्यक सुविधाएं खरीदी शुरू होने से पहले सुनिश्चित करने को कहा, उन्होंने नए एवं पुराने बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता रखने तथा तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, श्रीमती यादव ने उपार्जन केंद्रों में अवैध रूप से लाए गए,पुराने तथा अमानक धान के विक्रय पर सख्ती से रोक लगाने को कहा,उन्होंने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को खरीदी प्रक्रिया में सतर्कता बरतने और किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के निर्देश दिए।

### खसरा और एग्रीस्टैक की प्रविष्टियों का होगा मिलान

कलेक्टर ने किसानों के सभी खसरों का एग्रीस्टैक पोर्टल की प्रविष्टियों से मिलान कर समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि रकबे में कमी,खसरा छूटने अथवा फसल की गलत प्रविष्टि जैसी समस्याओं का समय रहते निराकरण किया जाए,डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत ग्राम सभाओं के माध्यम से गिरदावरी एवं फसल रकबे का वाचन और प्रमाणीकरण कराने के भी निर्देश दिए गए।

### बड़गांव के 582 और मनसुख के 586 किसानों को मिलेगी सुविधा

नवीन बड़गांव उपार्जन केंद्र से बड़गांव,कोट, मुड़िझरिया,जामपानी,डुभापानी,बस्ती,नरकेली,देवरी, नरसिंहपुर,मोदीपारा और पतरापाली सहित 11 गांवों के 582 किसान लाभान्वित होंगे, जामपारा समिति के अंतर्गत बनाए गए मनसुख उपार्जन केंद्र से मनसुख,पोटेडांड,पिपरहिया,चिल्का,अमरपुर,टेंगनी, सुरमी,मदनपुर,धरमपुर,रोबो,माटीझरिया और डोहड़ा सहित 12 गांवों के 586 किसानों को नजदीक में धान बेचने की सुविधा मिलेगी।

### पीपरडांड केंद्र से नौ गांवों के 1,103 किसानों को राहत...

पटना समिति के अंतर्गत नवीन पीपरडांड उपार्जन केंद्र से पीपरडांड, बरदिया,करहियाखांड,नानभान,कटकोना, पूटा, अंगा, मुरमा और चम्पाझर सहित नौ गांवों के 1,103 किसान लाभान्वित होंगे,इस केंद्र का नाम प्रारंभ में नानभान प्रस्तावित था,जिसे संशोधित कर पीपरडांड किया गया है। पहले इन किसानों को धान बेचने के लिए दूसरे उपार्जन केंद्रों तक जाना पड़ता था।

### पुनर्गठन से बनीं पांच नई सहकारी समितियां

प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसाइटियों की पुनर्गठन योजना 2025 के तहत जिले की छह मौजूदा समितियों के कार्यक्षेत्र का पुनर्गठन कर बड़ेकलुवा, बंजारीडांड, बड़गांव, कटगोड़ी और छिंदिया नाम से पांच नई समितियां गठित की गई थीं,इनमें बड़ेकलुवा, बंजारीडांड,कटगोड़ी और छिंदिया पहले से धान उपार्जन केंद्र थे। बड़गांव को वर्ष 2026 में नए उपार्जन केंद्र की स्वीकृति मिली है, जिले के कुल 24 उपार्जन केंद्रों में 21 केंद्र सहकारी समितियों के नाम पर संचालित हैं। मनसुख, पीपरडांड और अकलासराई अलग सहकारी समितियां नहीं हैं, बल्कि संबंधित समितियों के अंतर्गत संचालित अतिरिक्त उपार्जन केंद्र हैं।

# मातृभूमि'की रिलीज डेट फाइनल,दिवाली से पहले सलमान खान के फैंस को मिला तोहफा,लंबे इंतजार के बाद रिलीज होगी फिल्म




सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं, जो अब जल्दीही खत्म होने वाला है। फिल्म की रिलीज डेट तय हो गई है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिनेमाघरों में कब आएगी। सलमान खान स्टारर मातृभूमि :मे वॉर रेस्ट इन पीस इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। जब से इस वॉर-ड्रामा फिल्म का पहला टीजर ओर पोस्टर रिलीज हुआ है,तभी से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री देखने को मिल रही है। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म का नया गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी रिलीज किया,जिसे खूब पसंद किया गया। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की केमेस्ट्री को खूब पसंद किया जा रहा है। इस सरप्राइज के बाद अब सुपरस्टार के फैंस को दिवाली गिफ्ट भी मिल गया है। दरअसल,मातृभूमि : मे वॉर रेस्ट इन पीस की थियेटर रिलीज डेट तय हो गई है। सलमान खान ने शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की, जिसके अनुसार ये फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

**दिसंबर में रिलीज होगी सलमान खान की मातृभूमि**

कई बार देरी पोस्टपोन होने के बाद सलमान खान की मातृभूमि 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। पहले इसे 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन तब ये फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। इसके बाद से नई रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ था,जो अब जाकर खत्म हुआ है। नई रिलीज डेट के साथ,अब बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला श्रद्धा कपूर की बायोपिक ड्रामा ईथा से होगा,जो इसी दिन यानी 4 दिसंबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

**मुंबई इवेंट में हुआ ऐलान**

इस तारीख की घोषणा मुंबई में एक इवेंट में हुई। सलमान खान के साथ इस इवेंट में फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया, चित्रांगदा सिंह और फिल्म की अन्य कास्ट भी मौजूद थी। इसी दौरान मातृभूमि का ट्रेलर भी दिखाया गया और मीडिया को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया। आज मुंबई में हुए एक एक्सक्लूसिव मीडिया इवेंट में सलमान खान ने मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस के ट्रेलर का स्पेशल प्रीव्यू दिखाया और अब सुपरस्टार के फैंस इसे देखने के इंतजार में हैं।

**मातृभूमि की कास्ट और अन्य डिटेल**

सलमान खान स्टारर और अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। इसमें सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का संगीत रवि बसुर, अयान लाल और हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है,जबकि सिनेमैटोग्राफी फसाहत खान ने की है। इस फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। काम की बात करें तो,सलमान खान को आखिरी बार रितेश देशमुख की राजा शिवाजी और 7 डॉग्स में देखा गया था,जिनमें उन्होंने कैमियो रोल किए थे। मुख्य भूमिका में उनकी आखिरी फिल्म 2025 में रिलीज़ हुई सिकंदर थी। वहीं,चित्रांगदा सिंह को आखिरी बार हनी त्रेहान की हिंदी ड्रामा फिल्म रात अकेली है में राधिका आप्टे और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ देखा गया था।



# माधुरी के बेटे आरिन की गर्लफ्रेंड संग एंट्री,पार्टी में छाया ग्लैमर

बॉलीवुड के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी एक बार फिर सितारों की मौजूदगी से गुलजार रही। गुरुवार,5 नवंबर को मुंबई में आयोजित इस शानदार पार्टी में फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित भी अपने पति डॉ. श्रीराम नेने और बेटे आरिन नेने के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं। हालांकि,इस बार माधुरी के खूबसूरत अंदाज के साथ उनके बेटे आरिन की मौजूदगी भी चर्चा का विषय बन गई। आरिन पार्टी में एक युवती के साथ नजर आए,जिनका नाम खुशी बताया जा रहा है। सोशल मीडिया पर खुशी को आरिन की कथित गर्लफ्रेंड कहा जा रहा है। दोनों की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी बॉलीवुड के सबसे चर्चित आयोजनों में गिनी जाती है। हर साल इस पार्टी में फिल्मी सितारे पारंपरिक परिधानों में नजर आते हैं। इस बार भी कार्यक्रम में बॉलीवुड कलाकारों के शानदार लुक और उनकी पारिवारिक मौजूदगी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।माधुरी दीक्षित ने इस खास अवसर के लिए आकर्षक गुलाबी रंग की साड़ी चुनी थी। उनका पारंपरिक अंदाज बेहद खूबसूरत दिखाई दे रहा था। अभिनेत्री ने अपने लुक को शानदार आभूषणों और सलीके से किए गए मेकअप के साथ पूरा किया। माधुरी की साड़ी मनीष मल्होत्रा के डिजाइनर कलेक्शन से थी। हॉट पिंक रंग की साटन फिनिश वाली साड़ी में अभिनेत्री ने एक बार फिर अपने खास फैशन सेंस का परिचय दिया। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रहा।माधुरी के साथ उनके पति डॉ. श्रीराम नेने भी कार्यक्रम में पहुंचे। दोनों ने कैमरों के सामने एक साथ तस्वीरें खिंचवाईं। लेकिन जैसे ही उनके बेटे आरिन नेने एक युवती के साथ नजर आए,फोटोग्राफरों का ध्यान उनकी ओर चला गया।बताया जा रहा है कि आरिन के साथ दिखाई देने वाली युवती का नाम खुशी है। दोनों ने कैमरों के सामने एक साथ पोज दिए। इस दौरान आरिन और खुशी के बीच सहजता दिखाई दी,जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। वायरल वीडियो में आरिन नेने को खुशी के साथ खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाते देखा जा सकता है। कुछ तस्वीरों में दोनों एक-दूसरे के काफी करीब दिखाई दे रहे हैं। उनके इसी अंदाज को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हालांकि,आरिन नेने और खुशी ने अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसलिए दोनों को फिलहाल कथित कपल ही कहा जा रहा है। पार्टी में एक साथ दिखाई देने के बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हुई हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इस बात को लेकर उत्सुक दिखाई दे रहे हैं कि आखिर खुशी कौन हैं और उनका आरिन नेने से क्या संबंध है। कुछ लोग इसे आरिन की ओर से अपने रिश्ते का सार्वजनिक संकेत मान रहे हैं,जबकि अन्य इसे केवल एक पारिवारिक कार्यक्रम में साथ शामिल होने के रूप में देख रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि आरिन अब तक बॉलीवुड की पार्टियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देते रहे हैं। यही वजह है कि इस बार उनकी उपस्थिति और खुशी के साथ तस्वीरें खिंचवाने का अंदाज लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। माधुरी दीक्षित और डॉ. श्रीराम नेने अपने पारिवारिक जीवन को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। दोनों अपने बेटों आरिन और रायन के साथ बिताए खास पलों की झलक सोशल मीडिया पर साझा करते रहे हैं। आरिन नेने का जन्म वर्ष 2003 में हुआ था। वह माधुरी और श्रीराम नेने के बड़े बेटे हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा अमेरिका में पूरा किया है। फिल्मी परिवार से संबंध रखने के बावजूद आरिन ने अब तक अभिनय के क्षेत्र में कदम नहीं रखा है। आरिन की सार्वजनिक छवि उनकी मां माधुरी दीक्षित से काफी अलग रही है। जहां माधुरी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हैं, वहीं आरिन ने अपनी निजी जिंदगी को अपेक्षाकृत लाइमलाइट से दूर रखा है।यही कारण है कि किसी बड़े बॉलीवुड कार्यक्रम में उनका इस तरह दिखाई देना प्रशंसकों के लिए दिलचस्प बन गया है।मनीष मल्होत्रा की इस दिवाली पार्टी में माधुरी के अलावा ऐश्वर्या राय बच्चन,अभिषेक बच्चन,करीना कपूर खान,सैफ अली खान,अक्षय कुमार,ट्विंकल खन्ना और उनके बेटे आरव सहित कई सितारे भी पहुंचे। पार्टी में बॉलीवुड के कलाकारों ने पारंपरिक कपड़ों में अपने शानदार अंदाज का प्रदर्शन किया। विभिन्न सितारों के स्टाइलिश लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर लगातार साझा की जा रही हैं।इस दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की एक साथ मौजूदगी भी चर्चा में रही। दोनों ने कैमरों के सामने तस्वीरें खिंचवाईं। वहीं,करीना कपूर और सैफ अली खान भी अपने खास अंदाज में नजर आए।अक्षय कुमार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना और बेटे आरव के साथ पार्टी में शामिल हुए। परिवार के साथ उनकी तस्वीरों को भी प्रशंसकों ने पसंद किया। हालांकि, इतने बड़े सितारों की मौजूदगी के बावजूद माधुरी दीक्षित के बेटे आरिन और खुशी की तस्वीरों ने विशेष चर्चा बटोरी।मनीष मल्होत्रा बॉलीवुड में अपने शानदार डिजाइनर परिधानों के लिए जाने जाते हैं। उनकी दिवाली पार्टी केवल एक त्योहार का आयोजन नहीं,बल्कि फिल्म इंडस्ट्री के प्रमुख सामाजिक कार्यक्रमों में से एक बन चुकी है। इस कार्यक्रम में सितारों की पारंपरिक वेशभूषा,परिवार के साथ उनकी मौजूदगी और कैमरों के सामने दिए गए पोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं।इस बार भी पार्टी की तस्वीरों ने इंटरनेट पर खूब ध्यान आकर्षित किया है। माधुरी दीक्षित का गुलाबी साड़ी वाला लुक और उनके परिवार की एक साथ मौजूदगी प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। विशेष रूप से आरिन नेने और खुशी के एक साथ दिखाई देने के बाद उनके निजी जीवन को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है।

# मेटल डिस्क वाले गाउन में किम कार्दशियन ने ढाया कहर

किम कार्दशियन ने गुड मॉर्निंग अमेरिका में अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान फैशन इतिहास की एक झलक पेश की। वे पाको राबान के एक शानदार विंटेज डिज़ाइन में नज़र आईं। रियलिटी स्टार और स्किम्स की फाउंडर ने हुलु के शो ऑल्स फेयर के सीज़न 2 को प्रमोट करते हुए,डिज़ाइनर के 1989 के स्प्रिंग कलेक्शन का एक हॉट कॉउचर गाउन पहना था। लगभग चार दशक पुराने इस विंटेज पहनावे में पाको राबान की खास डिज़ाइन शैली देखने को मिली,जो अपने प्रयोगधर्मी मटीरियल,मैटेलिक टेक्सचर और भविष्यवादी सिल्हूट के लिए जानी जाती है। किम की इस पसंद ने एक बार फिर दिखाया कि उन्हें फैशन आर्काइव से पुरानी चीज़ें निकालकर, उन्हें आज के दौर के हिसाब से पेश करना कितना पसंद है। इस गाउन की सबसे खास बात इसका एक कंधे वाला डिज़ाइन था, जिसे सैकड़ों चमकती हुई धातु की डिस्क से तैयार किया गया था। ये डिस्क मिलकर एक कवच जैसा शानदार टॉप बना रही थीं,जो हिलने-डुलने पर रोशनी को परावर्तित करता था। उनके बाएं हाथ पर एक छोटी आस्तीन थी,जो डिज़ाइन में एक असिमेट्रिकल लुक जोड़ रही थी। गाउन का ऊपरी हिस्सा धातु की डिस्क से बना एक सख्त ढांचा था,जबकि नीचे का हिस्सा मुलायम सैटिन स्कर्ट का था। इस तरह,गाउन के ऊपरी और निचले हिस्से के बीच एक बेहतरीन कंट्रास्ट देखने को मिला। धातु की कारीगरी और शानदार ड्रेपिंग (कपड़े की सजावट) के इस मेल ने इस विंटेज पीस को एक भविष्यवादी और सदाबहार लुक दिया। बताया जाता है कि यह दुर्लभ डिज़ाइन लग्ज़री रीसेल प्लेटफॉर्म पर 11,500 डॉलर (लगभग 10.85 लाख रुपये) में लिस्ट किया गया था। यह पहली बार नहीं है जब किम पाको राबान के किसी पुराने डिज़ाइन में नज़र आई हैं। पिछले महीने, अपना जन्मदिन मनाते समय, उन्होंने इसी लेबल के 1996 के फॉल हॉट कॉउचर कलेक्शन से मैटेलिक मेश काफ्तान के दो अलग-अलग वर्ज़न पहने थे।





# करीना कपूर का रेड हॉट अंदाज, सैफ का क्लासिक लुक वायरल

बॉलीवुड के पावर कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान ने कॉफी विद करण सीजन 9 के चौथे एपिसोड में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस दौरान दोनों बेहद स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। जहाँ सैफ ने एक क्लासिक और सिंपल लुक चुना,वहीं करीना ने गहरे लाल रंग के पैंटसूट में ग्लैमर का तड़का लगा दिया। शो के होस्ट करण जौहर भी अपने खास अंदाज में दिखे;उन्होंने एक बेहद फैशनेबल आउटफिट और शानदार एक्सेसरीज के साथ अपने लग्जरी स्टाइल को पेश किया करीना गहरे लाल रंग के राल्फ लॉरेन पैंटसूट में बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनकी जैकेट की कटिंग बहुत शानदार थी, जिसमें पीक लैपल्स और मजबूत शोल्डर डिजाइन थे,जो उन्हें एक कॉन्फिडेंट और दमदार लुक दे रहे थे। इसके साथ उन्होंने वाइड-लेग ट्राउजर पहना था, जो जैकेट की शार्प कटिंग को एक रिलैक्स्ड और मॉडर्न टच दे रहा था। करीना ने जैकेट के नीचे कोई शर्ट नहीं पहनी थी, जिससे उनका नेकलाइन लुक काफी बोल्ड और साफ लग रहा था। उन्होंने गले में एक नाजुक डायमंड नेकलेस पहना था जो हल्की चमक बिखेर रहा था,जबकि जैकेट के लैपल पर लगी आंख के आकार की सिल्वर ब्रोच उनके लुक में एक दिलचस्प डिटेल जोड़ रही थी। उनकी बड़ी और आकर्षक अंगूठी ने उनके पूरे लुक में ग्लैमर का एक बोल्ड तड़का लगा दिया। गहरे लाल रंग,बेहतरीन कटिंग और सोच-समझकर चुनी गई एक्सेसरीज ने मिलकर एक ऐसा लुक तैयार किया जो कॉन्फिडेंट,एलिगेंट और बेहद स्टाइलिश था। सैफ ने एक सदाबहार क्लासिक लुक चुना। उन्होंने नीली शर्ट के साथ नेवी ब्लू पिनस्ट्राइप्ड जैकेट और उसी रंग की ट्राउजर पहनी थी। यह कॉम्बिनेशन उन्हें एक शार्प और शानदार लुक दे रहा था। साथ ही, उनके सनग्लासेस ने उनके क्लासिक स्टाइल को बरकरार रखते हुए उनके लुक में एक खास अंदाज जोड़ दिया। करण जौहर ने इस एपिसोड में अमित अग्रवाल द्वारा डिजाइन किया गया आउटफिट पहना था। उनके कपड़ों पर की गई बारीक कारीगरी इसे एक लग्जरी लुक दे रही थी, जबकि उनके अनोखे सनग्लासेस और शानदार ज्वेलरी ने उनके व्यक्तित्व को और निखार दिया। उनके पास मौजूद हर्मीस केली बैग इस पूरे लुक का मुख्य आकर्षण था, जिसने उनके हाई-फैशन ग्लैमर को पूरी तरह से निखार दिया।

## खेल समाचार

# नेपाल में खेला जाएगा वर्ल्ड कप क्वालीफायर

**नई दिल्ली,06 नवम्बर 2026।** आईसीसी ने आगामी आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप क्वालीफायर को लेकर बड़ा ऐलान किया है। दिसंबर में नेपाल में वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ खेला जाएगा। इसकी शुरुआत 4 दिसंबर से होगी। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी,जो 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए आखिरी चार जगहों हासिल करने के लिए आपस में भिड़ेंगी। टूर्नामेंट का पहला मैच मेजबान नेपाल और इटली के बीच त्रिभुवन यूनिवर्सिटी क्रिकेट ग्राउंड पर होगा,जबकि उसी दिन नामीबिया और युगांडा की टीमें मुलापानी क्रिकेट ग्राउंड पर आमने-सामने होंगी। इनके अलावा कनाडा,कुवैत,जर्सी और यूएई की टीमें भी इस प्रतियोगिता में शामिल हैं। अगले महीने नेपाल में वर्ल्ड कप क्वालीफायर प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे,जिसमें दुनिया भर की 8 टीमें आखिरी 4 जगहों के लिए आपस में भिड़ेंगी। इस टूर्नामेंट में नेपाल की टीम अपना पहला मैच इटली के खिलाफ खेलेगी।

**4 स्पॉट के लिए**
**8 टीमों के बीच होगी टक्कर**

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कुल 10 टीमों का ग्लोबल क्वालीफायर होना है, जिसमें



से 6 टीमें पहले ही पक्की हो चुकी हैं। इन 6 टीमों में आयरलैंड और वेस्टइंडीज को रैंकिंग के आधार पर जगह मिली है,जबकि यूएसए, स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और ओमान ने क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 के जरिए क्वालीफाई किया है। बाकी बची 4 जगहों के लिए नेपाल में क्वालीफायर प्लेऑफ खेला जाएगा वहां से टॉप पर रहने वाली 4 टीमें भी इस लिस्ट में शामिल हो जाएंगी। इसके बाद होने वाले ग्लोबल क्वालीफायर की जो टीम विजेता बनेगी,उसे सीधे 2027 वर्ल्ड कप का टिकट मिल जाएगा,जबकि दूसरे,तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें नई सुपर सीरीज में खेलेंगी।

**ओडीआई वर्ल्ड कप**
**2027 के शेड्यूल का हो चुका है ऐलान**

आईसीसी मेंस ओडीआई क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का आयोजन 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका,जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होगा। इस बड़े टूर्नामेंट में 12 मैदानों पर कुल 14 टीमें आपस में भिड़ेंगी और इस दौरान कुल 57 मैच खेले जाएंगे। खास बात यह है कि मेजबान होने के नाते साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे को इस टूर्नामेंट में सीधे एंट्री मिल गई है,जबकि तीसरी मेजबान टीम नामीबिया को अपनी जगह पक्की करने के लिए क्वालीफिकेशन मैच खेलने होंगे।

**वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का शेड्यूल**

भारतीय टीम वर्ल्ड कप में अपने सफर की शुरुआत 7 अक्टूबर को केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ अपना महामुकाबला खेलेगी। भारत का तीसरा मैच 14 अक्टूबर को सेंचुरियन में किसी एक क्वालीफायर टीम के साथ होगा, और फिर 24 अक्टूबर को विक्टोरिया फॉल्स स्टेडियम में सह-मेजबान जिम्बाब्वे से भिड़ेगी।



# वैभव सूर्यवंशी बने कप्तान

**सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बिहार की टीम का हुआ ऐलान**

**पटना,06नवम्बर 2026।** सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए बिहार की 17 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। इस टूर्नामेंट के लिए बिहार की टीम का कप्तान वैभव सूर्यवंशी को बनाया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के पहले दो मैचों के लिए बिहार की टीम का ऐलान हो गया है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने 17 खिलाडियों वाली इस टीम की कमान युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को सौंपी है,जिन्हें पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए कप्तान बनाया गया है। वहीं,सूरज कश्यप को टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टूर्नामेंट में बिहार का पहला मुकाबला 14 नवंबर को सौराष्ट्र से और दूसरा मुकाबला 16 नवंबर को रेलवे के खिलाफ होगा। यह पहला मौका होगा,जब वैभव बिहार की सीनियर टीम का नेतृत्व करेंगे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 का आयोजन 14 नवंबर से 6 दिसंबर तक होगा।


## कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलरामपुर जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

:: ई - निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक / 2128/ निर्माण / आ.वि. / 2026 — 27 अक्टूबर 2026

बलरामपुर, दिनांक / 2026 छ.ग. के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलरामपुर, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज में नीचे दर्शाये गये विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत डी-श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनांक 10.06.2026 एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील है, (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ. आर. पद्धति में ई-निविदा के माध्यम से प्रतिशत दर पर प्रथम ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 30.10.2026 से दिनांक 25.11.2026 तक प्रभावशील रहेगी।

| क्र. | ऑनलाईन निविदा क्रमांक | कार्य का नाम | निविदा की राशि | अमानत राशि | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | 202657 | बालक आश्रम चूनापाथर में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 2 | 202658 | प्री.मै.बालक छात्रावास सलवाही में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 3 | 202659 | पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम पतरापारा में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 4 | 202660 | पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम जिगड़ी में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 5 | 202661 | पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम लाउ में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 6 | 202663 | पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम कोठली में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 7 | 202665 | प्री.मै.बालक छात्रावास बसंतपुर में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 8 | 202666 | प्री.मै.बालक छात्रावास पण्डरी में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 9 | 202669 | प्री.मै.बालक छात्रावास सुलसुली में शौचालय का निर्माण | 19,41,519 | 14,600 | 04 माह |
| 10 | 202671 | प्री.मै. कन्या छात्रावास पण्डरी में शौचालय का निर्माण | 19,42,136 | 14,600 | 04 माह |
| 11 | 202673 | प्री.मै.कन्या छात्रावास भवंरमाल में शौचालय का निर्माण | 19,42,136 | 14,600 | 04 माह |
| 12 | 202674 | कन्या आश्रम चलगली में शौचालय का निर्माण | 19,42,136 | 14,600 | 04 माह |
| | | योगः— | 2,33,00,079 | | |

निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in/ मेंदेखी जा सकती है ।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी0नं0 -262704409/2



**न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर , जिला-सरगुजा (छ0ग0)**

रा0प्र0क्र0-/ब-121/2026-27

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दुर्गा देवी पति अनिल कुमार दुबे जाति ब्राम्हण निवासी केनाबांध अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2105/8 रकबा 0.012 हे0 भूमि को अनावेदक रीता कांत जायसवाल पति रवि कांत जायसवाल निवासी शिकारी मार्ग बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 40,00,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः 28/ 10/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

# छत्तीसगढ़ में धनतेरस पर 12,000 करोड़ के कारोबार का अनुमान

## रायपुर में 2000 करोड़ के बिजनेस की संभावना,सराफा-ऑटोमोबाइल में सबसे ज्यादा रौनक







**रायपुर,06 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ में कारोबारियों के अनुसार धनतेरस पर 12 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान है। वहीं रायपुर के बाजारों में करीब 2000 करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है। सराफा,ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर इस कारोबार के बड़े हिस्सेदार रहेंगे। त्योहार को देखते हुए दुकानों और शोरूम में खास तैयारियां की गई हैं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कंपनियों और दुकानों ने छूट,गिफ्ट और फाइनेंस की सुविधाएं भी दी हैं। सुबह से ही बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। सदर बाजार, गोलबाजार, मालवीय रोड, जवाहर बाजार, पंडरी और एमजी रोड जैसे प्रमुख कारोबारी इलाकों में देर रात तक रौनक रहने की उम्मीद है।

### सराफा बाजार में हल्के गहनों और सिक्कों की मांग...

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने की परंपरा के चलते सराफा बाजार में सबसे ज्यादा उम्मीद है। इस बार सोने-चांदी की ऊंची कीमतों के बावजूद ग्राहकों का रुझान बना हुआ है। हालांकि, बजट को ध्यान में रखते हुए लोग भारी गहनों के बजाय हल्के वजन की ज्वेलरी, सिक्के और छोटे आभूषण पसंद कर रहे हैं। पुराने गहनों को एक्सचेंज कर नए आभूषण खरीदने का विकल्प भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन ने धनतेरस पर सोने-चांदी के आभूषण और सिक्कों की बिक्री करीब 66 हजार करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया है। यह पिछले साल के मुकाबले लगभग 10% ज्यादा है।

### कार-बाइक की डिलीवरी के लिए शोरूम में तैयारी

ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी धनतेरस को लेकर उत्साह है। कार और दोपहिया वाहनों की पहले से बुकिंग कराने वाले ग्राहक शुभ मुहूर्त में डिलीवरी लेने पहुंचेंगे। शोरूम में वाहनों की सजावट से लेकर डिलीवरी की व्यवस्था तक की गई है। कंपनियां एक्सचेंज बोनस,कैश डिस्काउंट और आसान फाइनेंस जैसी योजनाएं दे रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदारी को लेकर भी ग्राहकों में दिलचस्पी है।

### मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक्स में ऑफर का आकर्षण

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, मोबाइल और अन्य घरेलू उपकरणों की मांग रहने की उम्मीद है। कंपनियों की ओर से बैंक डिस्काउंट, नो-कॉस्ट ईएमआई और एक्सचेंज ऑफर दिए जा रहे हैं। ग्राहक पुराने उपकरण बदलकर नए मॉडल खरीदने में भी रुचि दिखा रहे हैं। मोबाइल कारोबार के प्रमुख केंद्र रवि भवन और आसपास के बाजारों में भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है।

### बर्तन,कपड़े और घरेलू सामान की भी खरीदारी

धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसलिए स्टील, पीतल, तांबे और कांसे के बर्तनों के साथ पूजा की थाली, दीपक और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग रहेगी। पंडरी कपड़ा बाजार और रेडीमेड दुकानों में भी दिवाली और शादी के सीजन को देखते हुए खरीदारी की उम्मीद है। मिठाई, सजावटी सामान, फर्नीचर और गिफ्ट आइटम का कारोबार भी त्योहार की रौनक बढ़ाएगा।

### बोनस और त्योहार की खरीदारी से बढ़ेगा बाजार का कैश फ्लो

त्योहारी सीजन में कर्मचारियों को मिलने वाला बोनस और वेतन बाजार में खरीदारी की क्षमता बढ़ा रहा है। कारोबारी उम्मीद कर रहे हैं कि शुभ मुहूर्त और आकर्षक ऑफर के कारण ग्राहक इस दिन बड़ी संख्या में खरीदारी करेंगे। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के अनुसार इस बार रायपुर में करीब 2000 करोड़ और पूरे प्रदेश में 12 हजार करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। अब बाजार की नजर इस बात पर है कि धनतेरस की खरीदारी इन अनुमानों को कितना पार कर पाती है।

# नितिन नबीन और स्मृति ईरानी 15 नवंबर को आएंगे छत्तीसगढ़...

**रायपुर,06 नवम्बर 2026।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनका यह पहला प्रदेश दौरा होगा। वे रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आमंत्रण पर नितिन नबीन ने दौरे के लिए सहमति दी है। कार्यक्रम में भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी भी मौजूद रहेंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी के दौरे को लेकर बीजेपी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बीजेपी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी कार्यक्रम स्थल में प्रदेश पदाधिकारियों की मीटिंग लेंगे। मीटिंग के दौरान प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी में पिछले दौरे में हुई चर्चा का फीडबैक और अपडेट लेंगी। बैठक में प्रदेश पदाधिकारियों को आगे की जिम्मेदारियों और कामों को लेकर निर्देश भी दिए जाएंगे।

**सीएम साय ने दिया था छत्तीसगढ़ आने का न्योता :** जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया था। इसके बाद नितिन नबीन ने 15 नवंबर को धरमजयगढ़ पहुंचने की



सहमति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनके पहले दौरे को प्रदेश भाजपा संगठन के लिहाज से अहम माना जा रहा है। उनके आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। जनजातीय गौरव दिवस हर साल 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाता है। केंद्र सरकार ने 2021 में इस दिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के साथ जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देना है। भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासी समाज को एकजुट कर उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया था।

## भूपेश बघेल ने जेल में रामगोपाल अग्रवाल से की मुलाकात

# बोले...गलत तरीके से सरकार ने जेल में रखा है बंद

**रायपुर,06 नवम्बर 2026।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। दोनों के बीच करीब 10 मिनट तक बातचीत हुई। इसके बाद भूपेश बघेल जेल से बाहर आए,इस दौरान कहा कि वे रामगोपाल अग्रवाल से मिलने आए थे। वे कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैं। उन्हें गलत तरीके से जेल में बंद करके रखा गया है।

### रिजवी बोले- रामगोपाल के खिलाफ 6 केस,2 में जमानत,4 मामले लंबित

बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी के मुताबिक,रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ कुल 6 मामले दर्ज हैं। इनमें से 2 में उन्हें जमानत मिल चुकी है, जबकि 4 मामले अभी लंबित हैं। इन चारों में जमानत मिलने के बाद ही उनकी रिहाई संभव है। रिजवी का दावा है कि किसी भी एफआईआर में रामगोपाल का नाम नहीं है। उन्हें पहले से




अपराधी एक आरोपी के बयान के आधार पर फंसाया गया है। वकील ने इसे राजनीतिक कार्रवाई बताते हुए कहा कि कांग्रेस कोषाध्यक्ष होने के कारण उन्हें निशाना बनाया गया है।

**ईडी का दावा- रामगोपाल की निगरानी में कांग्रेस कार्यालय पहुंचाए गए 880 करोड़ :** बता दें कि, छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा खुलासा किया था। एजेंसी के मुताबिक, शराब सिंडिकेट से जुटाए गए करीब 860 से 880 करोड़ रुपए रायपुर के शंकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुंचाए गए थे। ईडी का दावा है कि रामगोपाल अग्रवाल की निगरानी में यह पैसा कांग्रेस कार्यालय पहुंचाया गया। इस मामले में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की दो अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया गया है। इन संपत्तियों की कीमत करीब 9.06 करोड़ रुपए बताई गई है। ईडी ने 8 अक्टूबर को संपत्तियों को अटैच करने का आदेश जारी किया था। इसके बाद 9 अक्टूबर को रायपुर की विशेष पीएमएलए कोर्ट में रामगोपाल अग्रवाल के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दाखिल की गई। रामगोपाल अग्रवाल को 11 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था।

### अकाउंटेंट को सौंपा जाता था कैश

ईडी की जांच के मुताबिक,शराब सिंडिकेट से मिलने वाली रकम का बड़ा हिस्सा लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल संभालता था। आरोप है कि रामगोपाल अग्रवाल के निर्देश पर यह पैसा रायपुर के शंकर नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पहुंचाया जाता था।

## छत्तीसगढ़ के इस सरकारी दफ्तर में दिवाली पर बंटी शराब

### कांग्रेस ने वीडियो बनाकर थाने में की शिकायत

**कांकेर,06 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बिजली विभाग के कर्मचारियों को दिवाली गिफ्ट के साथ शराब की बोतलें देने का मामला सामने आया है। कांग्रेस ने इसका वीडियो बनाया और थाने में शिकायत की, जिसके मुताबिक,धनतेरस के दिन अधिकारियों और कर्मचारियों को मिठाई के डिब्बों की जगह शराब की बोतलें बांटी गईं। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शराब की बोतलों को जांच के लिए जब्त कर लिया। पुलिस कार्यपालन अभियंता को पूछताछ के लिए कोतवाली थाना भी लेकर गई थी। घटना के बाद



विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी बड़ी संख्या में थाने पहुंचे। हालांकि, कार्यपालन अभियंता ने इस मामले में अपनी जानकारी नहीं होने की बात कही। उन्होंने आरोपों से भी इनकार किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर ग्रामीण के अध्यक्ष ब्लोमेंद्र यादव ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि बिजली विभाग में दीपावली के उपहार के नाम पर शराब बांटी जा रही है। इसकी जानकारी मिलने पर वे विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे और वहां का वीडियो बनाया। यादव का आरोप है कि ऑफिस में एक ही तरह के पैकेट में शराब की बोतलें रखी जा रही थीं। महिला कर्मचारियों की मौजूदगी में कार्यालयीन समय के दौरान कई कर्मचारियों की टेबल के ऊपर और नीचे शराब की बोतलें रखी हुई थीं। उन्होंने इस संबंध में कार्यपालन अभियंता से भी सवाल किया, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंची।

## आम आदमी पार्टी की प्रदेश के 16 अस्पतालों पर एफआईआर की मांग

### मरीजों को एजेंटों से बुलाकर फर्जी भर्ती और गलत बिलिंग का आरोप,आंदोलन की चेतावनी

**रायपुर,06 नवम्बर 2026।** रायपुर में आयुष्मान भारत योजना के नाम पर निजी अस्पतालों में कथित गड़बड़ियों को लेकर आम आदमी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने स्वास्थ्य विभाग की जांच में दोषी पाए गए 16 निजी अस्पतालों के प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की है। आम आदमी पार्टी नेताओं का आरोप



है कि अस्पतालों ने एजेंटों के जरिए मरीजों को बुलाया, बिना जरूरत भर्ती किया और फर्जी दस्तावेजों के साथ इलाज के पैकेज में गलत कोडिंग कर सरकारी पैसे का भुगतान लिया। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी नेता विजय झा, जयदीप खनूजा और नंदन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पिछले दो साल में जांच के दौरान 70 अस्पतालों को दोषी पाया गया है। इनमें 16 निजी अस्पतालों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसके बावजूद सरकार केवल आयुष्मान योजना का पंजीयन रद्द करने तक सीमित है।

# बालकनी की ग्रिल में फैला करंट...कारोबारी पिता-बेटे की मौत

## बचाने पहुंची पत्नी भी चपेट में,हालत नाजुक,रायपुर रेफर,शॉर्ट सर्किट की आशंका

**बलौदाबाजार,06 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से पिता और बेटे की मौत हो गई। नेहरू चौक स्थित घर की बालकनी की लोहे की ग्रिल में करंट फैल गया था। सुबह नींद से जागने के बाद कपड़ा कारोबारी राकेश गुप्ता (45) बालकनी में पहुंचे और ग्रिल को छूते ही करंट की चपेट में आ गए। वे ग्रिल से चिपक गए। पिता को बचाने के लिए उनका 24 साल का बेटा ओम गुप्ता भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों को बचाने पहुंचीं राकेश की पत्नी वर्षा गुप्ता (45) को भी बिजली का झटका लगा और वह दूर जा गिरीं। आसपास के लोगों की मदद से तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों ने राकेश और ओम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, वर्षा गुप्ता की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। बेहतर इलाज के लिए उन्हें रायपुर रेफर किया गया है,जहां उनका इलाज जारी है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घर के पास से 11



हजार केवी का हाईटेंशन तार गुजरा है। आशंका है कि इसी तार से निकली चिंगारी लोहे की ग्रिल तक पहुंची,जिससे उसमें करंट फैल गया। हालांकि,शॉर्ट सर्किट की आशंका भी जताई गई है। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

**ग्रिल में पहले से फैला था करंट :** जानकारी के मुताबिक,राकेश गुप्ता (45), पिता पुरुषोत्तम लाल गुप्ता,शुक्रवार सुबह रोज की तरह नींद से जागे थे। इसके बाद वे घर की बालकनी में गए। इसी दौरान उन्होंने वहां लगी लोहे की ग्रिल को हाथ लगाया। ग्रिल में करंट फैला हुआ था, जिसके कारण वे बिजली के झटके की चपेट में आ गए और उससे चिपक गए। पिता को ग्रिल से चिपका देखकर उनका बेटा ओम गुप्ता (24) उन्हें बचाने के लिए दौड़ा। उसने पिता को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान वह भी करंट की चपेट में आ गया। देखते ही देखते परिवार के दो सदस्य बिजली के संपर्क में आ गए।

### पति और बेटे को बचाने पहुंचीं वर्षा, उन्हें भी लगा करंट

पति और बेटे को करंट की चपेट में देखकर वर्षा गुप्ता (45) उन्हें बचाने के लिए पहुंचीं। इस दौरान उन्हें भी बिजली का तेज झटका लगा और वह दूर जा गिरीं। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तीनों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने राकेश गुप्ता और उनके बेटे ओम गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। वहीं, वर्षा गुप्ता की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थिति नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

### शॉर्ट सर्किट की आशंका, पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। पुलिस ने पिता और बेटे के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। थाना कोतवाली बलौदाबाजार के पीएसआई खिलेंद्र कुमार ने बताया कि करंट की चपेट में आने से राकेश गुप्ता और उनके बेटे ओम गुप्ता की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, हादसे में घायल महिला की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रायपुर रेफर किया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि घर के पास से 11 हजार केवी का हाईटेंशन तार गुजरा है। आशंका है कि बालकनी में रखे सफाई के सामान के तार के संपर्क में आने से उसमें करंट फैल गया। इसके चलते बालकनी की लोहे की ग्रिल में भी करंट उतर आया और उसे छूते ही राकेश गुप्ता उसकी चपेट में आ गए। हालांकि,पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

## भूपेश बघेल के खिलाफ चुनाव याचिका पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई, विजय बघेल की गवाही के लिए मिली अगली तारीख

**बिलासपुर,06 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ दायर चुनाव याचिका मामले में आज हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता विजय बघेल की गवाही शुरू हुई,लेकिन समयाभाव के चलते उनकी गवाही अधूरी रह गई। अब शेष गवाही 16 नवंबर से फिर शुरू होगी। दरअसल,दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। याचिका में भूपेश बघेल पर विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।



विजय बघेल ने अपनी याचिका में भूपेश बघेल का निर्वाचन शून्य घोषित करने की मांग की है। इसी मामले में आज हाईकोर्ट में विजय बघेल के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हालांकि, उनकी गवाही पूरी नहीं हो सकी। अब 16 नवंबर को आगे की गवाही दर्ज की जाएगी। दरअसल,विजय बघेल ने 2023 के पाटन विधानसभा चुनाव को लेकर भूपेश बघेल के खिलाफ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। विजय बघेल ने आरोप लगाया कि भूपेश बघेल ने मतदान से पहले लागू 48 घंटे की प्रचार-निषेध अवधि के दौरान निर्वाचन क्षेत्र में रैली निकाली और उन्होंने उनका चुनाव रद्द करने का अनुरोध किया। इस याचिका को लेकर भूपेश बघेल की ओर से आपत्ति लगाई गई थी। इसमें तर्क दिया गया था कि चुनाव याचिका निर्धारित समय-सीमा के बाद दायर की गई है। इस आवेदन पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान विजय बघेल की गवाही की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भूपेश बघेल की ओर से इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब मामला हाईकोर्ट में चल रहा है।

## पटवारियों की हड़ताल पर सरकार सख्त...एस्मा लगाने की तैयारी,150 से ज्यादा को नोटिस,संघ बोला-कार्रवाई से नहीं डरेंगे,15 नवंबर से धान खरीदी

**रायपुर,06 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल खत्म कराने के लिए सरकार सख्त कदम उठा सकती है। राजस्व विभाग अब एस्मा लगाने की तैयारी कर रहा है। अब तक 150 से ज्यादा हड़ताली पटवारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। वहीं,पटवारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भागवत कश्यप को भी निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होनी है, लेकिन पटवारियों के काम पर नहीं लौटने से इसकी तैयारियों पर असर पड़ रहा है। दूसरी ओर, पटवारी अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। तूता से हटाए जाने के बाद उन्होंने मठपुरैना स्थित हनुमान मंदिर परिसर को आंदोलन का ठिकाना बना लिया है। पटवारियों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने भगवान से सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। साथ ही अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई का विरोध किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पटवारियों से हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के कई दूसरे तरीके भी हैं। पटवारियों को काम बंद करने के बजाय बातचीत के जरिए अपनी मांगें रखनी चाहिए। पटवारी संघ के अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने कहा कि हड़ताल खत्म कराने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)